twitter.com/divyadelhi | facebook.com/divyadelhi | infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD
दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | बुधवार, 06 अगस्त, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 261, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

विपक्ष अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने में माहिर: पीएम मोदी

ऑपरेशन सिंदूर पर बहस की मांग करके गलती की: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद मंगलवार को पहली बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के संसदीय दल की बैठक हुई। संसद भवन परिसर के जीएमसी बालयोगी सभागार में हुई बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में राजग के सांसदों ने ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव की सफलता के लिए हार पहनाकर प्रधानमंत्री का सम्मान किया। इस दौरान सांसदों ने जय श्रीराम और हर-हर महादेव के नारे लगाए। संसदीय कार्य मंत्री किरेण रिजिजू ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों को बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार राजग संसदीय दल की बैठक हुई, जिसमें प्रधानमंत्री ने सभी का मार्गदर्शन किया। ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव की सफलता को लेकर एक प्रस्ताव पास किया गया। पहलगाम हमले में सभी मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई, सेना के शौर्य को सराहा गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सभी सांसदों से हर घर तिरंगा और तिरंगा यात्रा में भाग लेने का भी आह्वान किया। यह बैठक संसद के मानसून सत्र के दौरान राजग की पहली बैठक है। प्रधानमंत्री ने बैठक को संबोधित किया और बताया कि 5 अगस्त को सरकार ने क्या-क्या उपलब्धियां हासिल कीं। गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी समेत लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों के राजग के सांसद इस बैठक में शामिल हुए। प्रधानमंत्री बैठक में नए सांसदों से भी मिले।

सशस्त्र बलों की प्रशंसा करते हुए एक प्रस्ताव पारित

इस दौरान 'ऑपरेशन सिंदूर' और 'ऑपरेशन महादेव' के दौरान पीएम मोदी के नेतृत्व और सशस्त्र बलों के अद्वितीय साहस और अटूट प्रतिबद्धता की प्रशंसा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया। श्रीनगर के बाहरी इलाके में 28 जुलाई को 'ऑपरेशन महादेव' नाम से हुई मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के तीन दहशतगर्द मारे गए थे।

भारत माता की जय' के नारों के बीच पीएम मोदी का अभिनंदन

भाजपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसदों ने जून 2024 में सरकार बनने के बाद से संसद के सत्रों के दौरान अपनी इस तरह की दूसरी बैठक की। 'भारत माता की जय' के नारों के बीच भाजपा और उसके सहयोगी दलों के वरिष्ठ नेताओं ने पीएम मोदी का अभिनंदन किया।

पहलगाम हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में जानिए

दरअसल, 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की थी। इसके पाकिस्तान ने भी कायराना हरकत करते हुए भारत में नागरिक और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था।

एलपीजी का दुरुपयोग रोकने को देश भर में 4 करोड़ से अधिक फर्जी कनेक्शन निष्क्रिय किए

नई दिल्ली। केंद्र सरकार घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी वितरण और सब्सिडी हस्तांतरण को कुशल, पारदर्शी और समावेशी बनाने के लिए निरंतर कदम उठा रही है। एलपीजी का दुरुपयोग रोकने के लिए देश भर में 4 करोड़ से अधिक फर्जी कनेक्शन निष्क्रिय किए गए हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को राज्यसभा में एक तारांकित सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देशभर के सभी एलपीजी वितरकों में आईवीआरएस/एसएमएस रिफिल बुकिंग सिस्टम लागू किया गया है। इस सिस्टम के तहत उपभोक्ताओं को रिफिल बुकिंग, कैश मेमो जनरेशन और रिफिल डिलीवरी जैसे प्रमुख चरणों पर एसएमएस के जरिए सूचनाएं प्राप्त होती हैं, जिससे वे अपने लेन-देन को ट्रैक कर सकते हैं और गलत या न मिलने की स्थिति में रिपोर्ट कर सकते हैं। केंद्रीय मंत्री ने सदन को बताया कि पहल (डीबीटीएल) योजना, आधार-आधारित सत्यापन, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण और अयोग्य या नकली कनेक्शनों को हटाने जैसी पहलों के कार्यान्वयन से लक्षित सब्सिडी हस्तांतरण प्रणाली काफी मजबूत हुई है।

धराली में बादल फटने से भारी तबाही, सैलाब से हाहाकार, चार की मौत, मलबे में दबे कई लोग

एजेंसी

उत्तरकाशीः उत्तरकाशी जनपद के धराली गांव में बादल फटने से खीरगंगा में भयंकर बाढ़ आ गई। डीएम प्रशांत आर्य ने बताया की धराली आपदा में अब तक चार लोगों की मौत हुई है। जबकि कई लोगों के मलबे में दबे होने की सूचना है। पानी का सैलाब गांव की तरफ आते ही लोगों में चीख पुकार मच गई। कई होटलों में पानी और मलबा घुस गया है। धराली बाजार पूरी तरह तबाह हो गया है। कई होटल दुकाने ध्वस्त हो चुकी है। आर्मी हर्षिल/पुलिस/एसडीआरएफ टीम भटवाड़ी के लिए रवाना हुई हैं। उत्तराखंड में भारी बारिश ने तबाही मचाई हुई है। आज मंगलवार सुबह ही उत्तरकाशी बडकोट तहसील क्षेत्र के बनाल पट्टी में भारी अतिवृष्टि होने से चपेट में आई करीब डेढ़ दर्जन बकरियां कुड गदेरे में बह गई। कुड गदेरा उफान पर आने से अफरातफरी मच गई। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक रोहित थपलियाल ने बताया, प्रदेश भर में 10 अगस्त तक भारी बारिश होने की संभावना है। खासकर पर्वतीय इलाकों में तेज दौर की बारिश के आसार हैं। वहीं, बारिश की वजह से सुरक्षा को देखते हुए देहरादून, पौड़ी, टिहरी और हरिद्वार में मंगलवार को भी स्कूल बंद रहेंगे।

सीएम धामी ने जताया दुख

धराली उत्तरकाशी क्षेत्र में बादल फटने से हुए भारी नुकसान का सीएम धामी ने गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि राहत एवं बचाव कार्यों के लिए एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, जिला प्रशासन और अन्य संबंधित टीमें युद्ध स्तर पर जुटी हुई हैं।

वायुसेना-नौसेना ने ब्रह्मोस मिसाइलों का दिया बड़ा ऑर्डर

एजेंसी

नई दिल्लीः पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस मिसाइलों ने अहम भूमिका निभाई थी। अब खबर आई है कि भारतीय वायुसेना और नौसेना ने ब्रह्मोस मिसाइलों का एक बड़ा ऑर्डर देने जा रही हैं। ब्रह्मोस मिसाइलों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अहम भूमिका निभाई थी और पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठानों को भारी नुकसान पहुंचाया था।

जल्द ब्रह्मोस मिसाइल के अधिग्रहण को मिलेगी मंजूरी

एक शीर्ष रक्षा विशेषज्ञ ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया कि रक्षा मंत्रालय की एक उच्च स्तरीय बैठक जल्द होगी, जिसमें बड़ी संख्या में ब्रह्मोस मिसाइलों के अधिग्रहण को मंजूरी दी जाएगी। ये खरीद भारतीय नौसेना के युद्धक जहाजों और भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों के लिए की जाएगी। ब्रह्मोस एक लंबी दूरी की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणाली है जिसे जमीन, समुद्र और हवा तीनों जगह से प्रक्षेपित (लॉन्च) किया जा सकता है। ब्रह्मोस को डीआरडीओ, भारत और रूस के एनपीओएम द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वदेशी हथियारों की तारीफ की

नौसेना अपने वीर-क्लास युद्धक जहाजों में ब्रह्मोस मिसाइलों का इस्तेमाल करेगी। वहीं वायुसेना अपने लड़ाकू जहाज एसयू-30 एमकेआई के बेड़े में इन खतरनाक मिसाइलों को तैनात करेगी। हाल ही में प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर में भारत में बने हथियारों की तारीफ की थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने हमारे स्वदेशी हथियारों की ताकत देखी। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने हमारे स्वदेशी हथियारों की ताकत देखी। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे एयर डिफेंस सिस्टम, मिसाइल, ड्रोन्स और खासकर ब्रह्मोस मिसाइल ने आत्मनिर्भर भारत की ताकत को साबित किया।

लाल किले के पास 5 बांग्लादेशी घुसपैठिए पकड़े

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किले के आसपास जांच के दौरान पांच संदिग्ध युवकों को सुरक्षा कर्मियों ने पकड़ा। पूछताछ में पता चला कि ये सभी 20 से 25 वर्ष की आयु के युवक बांग्लादेश के नागरिक हैं। यह पिछले 3-4 महीने पहले अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर चुके थे। उत्तरी जिले के डीसीपी राजा बांठिया के अनुसार जांच में इन युवकों के पास न तो लाल किले में प्रवेश का वैध पास था और न ही कोई वैध भारतीय दस्तावेज। जब उन्हें रोका गया तो उन्होंने बताया कि वे दिल्ली में मजदूरी का काम कर रहे हैं और घूमने की मंशा से लाल किला देखने आए थे। उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि 15 जुलाई से लाल किला आम जनता के लिए बंद कर दिया गया है।

'विपक्ष के नेता ने गुमराह किया, गलत तथ्य पेश किए'

एजेंसी

नई दिल्लीः राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने सदन के वेल में सीआईएसएफ की तैनाती का मुद्दा उठाया। उन्होंने उपसभापति हरिवंश से कहा कि मैंने आपको लिखा था- 'मैं राज्यसभा में विपक्षी दलों की ओर से आपको लिख रहा हूं। हम इस बात से हैरान और स्तब्ध हैं कि किस तरह उक्त्रक्ष्को सदन के वेल में आने के लिए मजबूर किया गया, जबकि सदस्य विरोध के अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग कर रहे थे। हमने इसे कल भी देखा और आज भी देखा। हमारी संसद को इस स्तर तक गिरा दिया गया है। यह बेहद आपत्तिजनक है और हम इसकी स्पष्ट रूप से निंदा करते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि भविष्य में उक्त्रक्ष् के जवान सदन के वेल में तब नहीं आएंगे, जब सदस्य सार्वजनिक चिंता के महत्वपूर्ण मुद्दे उठा रहे हों।' इस पर राज्यसभा में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'मैं स्पष्टीकरण के लिए एक बात पूछना चाहूंगा। विपक्ष के नेता बहुत वरिष्ठ नेता हैं। मल्लिकार्जुन खरगे ने सवाल उठाया था। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि सदन में उक्त्रक्ष् के जवान लाए गए और दिल्ली पुलिस को लाया गया। यह रिकॉर्ड में स्पष्ट है कि केवल मार्शल ही सदन में प्रवेश कर सकते हैं। उस दिन केवल मार्शल ही यहां थे। इसलिए विपक्ष के नेता ने गुमराह किया और यहां गलत तथ्य पेश किए। उन्होंने आपको भी पत्र लिखा है। जब विपक्ष के नेता सभापति को गलत पत्र लिखते हैं और गलत तथ्य पेश करते हैं, तो उसके लिए क्या कार्रवाई होनी चाहिए?' केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'राज्यसभा के विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने एक पत्र लिखा है। उपसभापति महोदय को संबोधित करते हुए और चर्चा के दौरान इसका उल्लेख करते हुए हमने इस पर आपत्ति जताई है। विपक्षी दल ने आरोप लगाया है कि सरकार ने सेना, पुलिस और सीआईएसएफ के जवानों का इस्तेमाल किया है।

युद्ध की बदलती चुनौतियों से निपटने में तीनों सेनाओं का तालमेल बेहद महत्वपूर्ण : सीडीएस अनिल चौहान

जनरल अनिल चौहान ने भविष्य के युद्ध में बल प्रयोग के रुझानों को स्पष्ट किया

नई दिल्ली

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने युद्ध की निरंतर बदलती प्रकृति से पैदा होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए तीनों सेनाओं में तालमेल को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया है। सीडीएस ने निर्णायक परिणाम हासिल करने के लिए 'युद्ध के पारंपरिक और अपरंपरागत साधनों' के सम्मिश्रण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह दूरदर्शी दृष्टिकोण भविष्य के संघर्षों की जटिलताओं से निपटने और स्थायी राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण होगा। सीडीएस जनरल चौहान दिल्ली कैंट स्थित मानेकशॉ सेंटर में मंगलवार को सेंटर फॉर जॉइंट वारफेयर स्टडीज (सीईएनजेओडब्ल्यूएस) के स्थापना दिवस पर वार्षिक ट्राइडेंट व्याख्यान श्रृंखला के उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण दे रहे थे। 'भविष्य के युद्धक्षेत्र पर प्रभुत्व' विषय पर जनरल अनिल चौहान ने भविष्य के युद्ध में बल प्रयोग के रुझानों को स्पष्ट किया। तकनीक और सूचना प्रभुत्व को महत्वपूर्ण पहलुओं के रूप में स्पष्ट करते हुए उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों की क्षमता विकास और परिचालनात्मक तैयारी पर अंतर्दृष्टि प्रदान की। सीडीएस ने सैन्य अभ्यास कताओं से रणनीतिक दूरदर्शिता, तकनीकी स्वायत्तता और सैद्धांतिक चपलता पर आधारित एक सक्रिय, स्वदेशी और अनुकूलनीय दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने गतिज और गैर-गतिज क्षमताओं के सम्मिश्रण के साथ एकीकृत और बहु-क्षेत्रीय अभियानों की ओर साहसिक सैद्धांतिक बदलाव के साथ विशिष्ट 'भारतीय युद्ध-शैली' तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ रक्षा नेतृत्व, रणनीतिक विचारकों और विद्वानों ने 'भविष्य के युद्धक्षेत्र पर प्रभुत्व' विषय पर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत के पहले शोध पत्र का औपचारिक विमोचन भी हुआ, जो परिवर्तनकारी रक्षा चिंतन को आकार देने में उनकी स्थायी विरासत को श्रद्धांजलि है। इस मौके पर सीईएनजेओडब्ल्यूएस की प्रमुख पत्रिका 'सिनर्जी' के अगस्त अंक का भी विमोचन किया गया, जिसमें उभरते रणनीतिक रुझानों पर तीखे लेख शामिल हैं।इस कार्यक्रम के एक भाग के रूप में एकीकृत रक्षा स्टाफ के प्रमुख ने 'त्रि-सेवा सुधारों की तात्कालिकता' पर एक व्याख्यान दिया।

भारत-फिलिपींस संबंधों को मिला रणनीतिक साझेदारी का दर्जा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फिलिपींस के राष्ट्रपति फर्डिनांड मार्कोस के बीच मंगलवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता हुई।

इस ऐतिहासिक वार्ता में दोनों देशों ने आपसी संबंधों को ह्यरणनीतिक साझेदारीह्व के स्तर तक उन्नत करने का निर्णय लिया।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मार्कोस के बीच हुई वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से प्रेस वक्तव्य दिया और इस दौरान समझौतों का आदान-प्रदान हुआ।वार्ता के दौरान डिजिटल तकनीक, विज्ञान, रक्षा, अंतरिक्ष, पर्यटन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, व्यापार और समुद्री सहयोग जैसे विविध क्षेत्रों में समझौतों और घोषणाओं पर सहमति बनी।

इनमें प्रमुख हैं – रणनीतिक साझेदारी की स्थापना का साझा घोषणा पत्र, सेनाओं के बीच स्टाफ टॉक्स की रूपरेखा, विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी और पर्यटन सहयोग कार्यक्रम (2025-2028), अंतरिक्ष और डिजिटल तकनीक में सहयोग और आपराधिक मामलों में कानूनी सहायता एवं सजायाफ्ता व्यक्तियों के आदान-प्रदान की संधि शामिल है।

भारत ने फिलिपींस को एक वर्ष की अवधि के लिए निःशुल्क ई-टूरिस्ट वीजा सुविधा देने की घोषणा की है।

साथ ही, एक पायलट परियोजना के तहत फिलिपींस की संप्रभु डेटा क्लाउड संरचना के विकास में सहयोग देने का निर्णय भी लिया गया है।

दोनों देशों ने 75वीं वर्षगांठ पर संयुक्त डाक टिकट जारी करने की योजना बनाई है। सूचना संलयन केंद्र - हिंद महासागर क्षेत्र (आईएफसी-आईओआर) में भाग लेने के लिए फिलिपींस को निमंत्रण दिया गया।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल मलिक का दिल्ली में निधन

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का मंगलवार को यहां के डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल में निधन हो गया। वे 79 वर्ष के थे और 11 मई से अस्पताल में भर्ती थे, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी। मलिक के जम्मू-कश्मीर का राज्यपाल रहने के दौरान ही केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद-370 और 35ए को समाप्त किया था। यह महज संयोग ही है कि उन्होंने 5 अगस्त को अंतिम सांस ली।

डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल ने एक बयान में बताया कि सत्यपाल मलिक ने दोपहर 1.12 बजे आखरी सांस ली। उनको गंभीर मूत्र मार्ग संक्रमण (यूरीनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन) और किडनी फेल्यर की जटिलताओं के कारण गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में रखा गया था। मधुमेह, गुर्दे की बीमारी, उच्च रक्तचाप, रुग्ण मोटापा तथा ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया सहित अन्य दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं से लंबे समय जूझ रहे थे। उन्हें 11 मई को दोपहर 12:04 बजे गंभीर मूत्र मार्ग संक्रमण के साथ अस्पताल भर्ती कराया गया था और बाद में मूत्रमार्ग संक्रमण, अस्पताल में अधिग्रहित निमोनिया और बहु-अंग विकार के कारण उन्हें सेप्टिक शॉक हो गया। उन्हें क्रोनिक किडनी रोग के कारण डिसेमिनेटेड इंट्रावास्कुलर कोएगुलेशन और तीव्र किडनी क्षति भी हो गई, जिसके लिए उन्हें कई हेमोडायलिसिस सत्रों की आवश्यकता पड़ी।

सत्यपाल मलिक अक्टूबर 2017 से अगस्त 2018 तक बिहार के राज्यपाल रहे। वह 21 मार्च से 28 मई 2018 तक ओडिशा के कार्यवाहक राज्यपाल भी रहे। उन्होंने अगस्त 2018 से अक्टूबर 2019 तक अविभाजित जम्मू-कश्मीर के अंतिम राज्यपाल के रूप में कार्य किया। उनके कार्यकाल के दौरान केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त करने का फैसला लिया, जिसके बाद जम्मू-कश्मीर को दो केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित किया गया।

श्वेत क्रांति 2.0 के तहत डेयरी सहकारिता को बढ़ावा, 15 हजार से अधिक नई समितियां गठित

नई दिल्ली

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि देश में श्वेत क्रांति 2.0 के तहत सहकारी समितियों के माध्यम से दूध की खरीद में 50 प्रतिशत की वृद्धि करने का लक्ष्य रखा गया है। इस दिशा में अब तक 15,691 नई डेयरी सहकारी समितियां पंजीकृत की जा चुकी हैं, जबकि 11,871 मौजूदा समितियों को मजबूत किया गया है। मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित सहकारिता मंत्रालय की परामर्शदात्री कमेटी की बैठक में अमित शाह ने बताया कि ग्रामीण भारत में आत्मनिर्भरता, समानता और विकास के लिए सहकारिता सबसे प्रभावी माध्यम बन रही है।

उन्होंने बताया कि सहकारिता मंत्रालय द्वारा पिछले चार वर्षों में सौ से अधिक पहलें की गई हैं, जिनमें डिजिटल सुधार, नीतिगत परिवर्तन, वित्तीय सहायता और संस्थागत क्षमता निर्माण शामिल हैं। बैठक में जानकारी दी गई कि संसदीय अधिनियम के माध्यम से त्रिभुवन कोऑपरेटिव यूनिवर्सिटी को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया है। यह यूनिवर्सिटी देशभर में सहकारी शिक्षा और प्रशिक्षण को एकीकृत करेगी तथा इस क्षेत्र के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार करेगी। इसके साथ ही, नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) और 15 राज्यों की 25 मिल्क यूनियनों ने डेयरी समितियों में बायोगैस प्लांट लगाने के लिए समझौते किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सहकारी समितियों को जीवंत और व्यावसायिक इकाइयों में बदलने का प्रयास किया जा रहा है। अमित शाह ने बताया कि सरकार द्वारा तय किए गए लक्ष्य के अनुसार आगामी पांच वर्षों में देशभर में दो लाख बहुउद्देशीय सहकारी समितियां स्थापित की जाएंगी। अब तक 35,395 नई समितियां गठित की जा चुकी हैं, जिनमें 6,182 बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि ऋण समितियां, 27,562 डेयरी समितियां और 1,651 मत्स्य समितियां शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भूमिहीन और पूंजीविहीन नागरिकों के लिए सहकारिता क्षेत्र समृद्धि का माध्यम बन रहा है। इस दिशा में तीन राष्ट्रीय स्तर की सहकारी समितियां नेशनल कोऑपरेटिव ऑर्गेनिक लिमिटेड (एनसीओएल), नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट लिमिटेड (एनसीईएल) और भारतीय बीज कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड (बीबीएसएसएल) की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि यह समितियां जैविक उत्पादों की प्रमाणिकता, ब्रांडिंग, पैकेजिंग, निर्यात और पारंपरिक बीजों के संरक्षण का कार्य कर रही हैं, जिससे किसानों को सीधे लाभ मिल रहा है।

वाराणसी में बाढ़ से बिगड़े हालात, शहरी इलाकों में घरों तक पहुंचा पानी

एजेंसी

वाराणसी। पहाड़ों और मैदानी इलाकों में भारी बारिश से उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी विकराल रूप धारण किये है। गंगा की रौद्र लहरें खतरे के निशान 71.26 मीटर को दो दिन पहले ही पार कर बाढ़ के उच्चतम बिंदु 73.901 मीटर तक पहुंच चुकी है। गंगा का पानी शहरी इलाकों तक पहुंच कर घरों में घुसने लगा है जिससे लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। मणिकर्णिका घाट पर शवों को अंतिम संस्कार के लिए प्लेटफॉर्म तक नाव से ले जाना पड़ रहा है। बाढ़ में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन सतर्क है। प्रभावित इलाकों में राहत व बचाव कार्य चलाया जा रहा है। केन्द्रीय जल आयोग से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को वाराणसी में गंगा का जलस्तर 72 मीटर पार कर गया। सुबह आठ बजे गंगा का जलस्तर 72.03 मीटर दर्ज किया गया। जलस्तर में लगातार औसतन एक सेंटीमीटर प्रति घंटे की वृद्धि हो रही है। बीते 24 घंटों में गंगा 57 सेंटीमीटर चढ़ी है। गंगा का पानी घाटों को पार करने के बाद अब शहरी इलाकों में घुसने लगा है। दशाश्वमेध, शीतला घाट से होते हुए पानी चितरंजन पार्क, सामने घाट से बीएचयू ट्रॉमा सेंटर, गंगोत्री विहार, नगवा और सामनेघाट की कालोनियों तक पहुंच गया है। इन क्षेत्रों में घुटनों से ऊपर जलभराव हो चुका है। मणिकर्णिका घाट की गलियों में नावें चल रही हैं और शवों को अंतिम संस्कार के लिए प्लेटफॉर्म तक नाव से ले जाया जा रहा है। हरिश्चंद्र घाट पर भी अंतिम संस्कार गलियों में

किया जा रहा है, जिससे धार्मिक कार्यों में भारी दिक्कतें पेश आ रही हैं। नगवा के संतोष पांडेय, राजकुमार व विनोद गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2019 के बाद सामने घाट की सड़कों से लेकर ट्रॉमा सेंटर तक बाढ़ का पानी आया है। पूरी सड़क डूब गई है। इन इलाकों में बाढ़ का पानी घरों में घुसने लगा है। दुकान और कारोबार ठप हैं। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, तहसील सदर के 32 गांव बाढ़ की चपेट में आकर टापू में तब्दील हो चुके हैं। इनमें रामपुर ढाब, रामचंदीपुर, मुस्तफाबाद, छितौना, जाल्हूपुर, लुठा, अम्बा, शिवदसा, गोबरहा, मोकलपुर, हरिहरपुर, राजापुर, तातेपुर, बभनपुरा, कुकुढ़ा, बर्थरा कला, धोबही, श्रीष्टि, रैमला, सेहवार, चांदपुर, पिपरी, डुडुवा, कैथी, टेकुरी, बर्थरा खुर्द, लक्ष्मीसेनपुर, धरहरा, रमना, टेकरी, नरोत्तमपुर और तारापुर है। इन गांवों में फसलें पूरी तरह से जलमग्न हो चुकी हैं और कृषि कार्य ठप हो गया है। इसी तरह, शहर के 24 मोहल्ले गंगा और वरूणा नदियों की बाढ़ से घिर गए हैं। इनमें सलारपुर, सरैया, नक्खी घाट, दानियालपुर, कोनिया, ढ़ेलवरिया, पुल कोहना, सारनाथ, रसूलगढ़, नगवां, हुकुलगंज, अस्सी, पुष्कर तालाब, सिकरौल, पैगम्बरपुर, तपोवन, रूप्पनपुर, सराय मोहना, कपिल धारा, बघवा नाला, मौजा हाल, डोमरी, सूजाबाद, दशाश्वमेध इलाके में बड़ी आबादी बाढ़ से प्रभावित हैं। कई स्थानों पर अब सड़कों पर नावें चलने की नौबत आ गई है। हालात बिगड़ते देख लोग सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करने लगे हैं। शहर का जनजीवन थम सा गया है। वहीं, बाढ़ से निपटने के लिए प्रशासन सतर्क है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन, एनडीआरएफ, जल पुलिस और राहत एजेंसियां सक्रिय हैं। प्रभावित इलाकों में राहत व बचाव कार्य तेजी से चल रहा है। गंगा में बढ़ते जलस्तर के कारण सहायक नदी वरूणा भी उफान पर है, जिससे तटवर्ती इलाकों की स्थिति और खराब हो गई है।

राहुल गांधी और खड़गे देशविरोधी नैरेटिव फैला रहे हैं : तरुण चुग

एजेंसी

दिल्ली/चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर देशभर में जानबूझकर एक विघटनकारी और राष्ट्रविरोधी नैरेटिव गढ़ने का आरोप लगाया। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली को लेकर राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए चुग ने कहा कि एक दिवंगत व्यक्ति से धमकी मिलने की बात कहकर राहुल गांधी ने न सिर्फ शर्मनाक बल्कि हास्यास्पद दावा किया है। क्या राहुल गांधी को स्मृति-भ्रंश (डिमेंशिया) हो रहा है? चुग ने सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ऐसे बयान न केवल अशोभनीय हैं बल्कि देश की गरिमा के भी खिलाफ हैं। चुग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर भी हमला बोला और कहा कि वे गांधी परिवार को खुश करने और उनकी परिकर्मावादीता में लीन होकर संवैधानिक पदों पर भी सवाल उठाकर मर्यादा की सीमाएं लांघ रहे हैं। खड़गे की भूमिका अब सिर्फ इतनी रह गई है कि वह हाईकमान द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट को दोहराते रहें। लोकतांत्रिक संस्थाओं को नीचा दिखाकर भी अगर गांधी परिवार खुश होता है, तो वे तैयार हैं, चुग ने कहा। चुग ने कहा कि कांग्रेस विपक्ष की रचनात्मक भूमिका निभाने के बजाय अब पूरी तरह से राष्ट्रविरोधी एजेंडे पर उतर आई है। उनका पूरा एजेंडा अब केवल अवरोध, भ्रम और हताशा पर आधारित है।

बीएसएफ ने दो तस्करों को गिरफ्तार कर पकड़ी हेरोइन, ड्रोन किया बरामद

चंडीगढ़। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सीमावर्ती जिला तरनतारन में पाकिस्तान की ड्रोन गतिविधियों को निष्क्रिय बनाते हुए गांव कलसियां से दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। बीएसएफ ने इनके कब्जे से 610 ग्राम हेरोइन बरामद की है। बीएसएफ प्रवक्ता के अनुसार बीती शाम बीएसएफ ने अपने स्तर पर तरनतारन तथा फिरोजपुर सेक्टर में पंजाब पुलिस के साथ मिलकर सर्च अभियान चलाया। इस दौरान फिरोजपुर में बीएसएफ व पंजाब पुलिस ने एक डीजेआई माविक 3 क्लासिक ड्रोन बरामद किया। वहीं गांव कलसियां के समीप से दो तस्करों को दबोचा। इनके पास से 610 ग्राम हेरोइन बरामद की है। इससे पहले, पंजाब पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में,

तरनतारन के नूरवाला के पास एक प्लास्टिक कंटेनर से 755 ग्राम हेरोइन जब्त की गई थी। बीएसएफ के अनुसार लगातार बरामदियां सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी के प्रयासों को विफल करने में बीएसएफ की सतर्कता, सटीक खुफिया जानकारी और पंजाब पुलिस के साथ निर्बाध समन्वय को दर्शाती हैं।

छत्तीसगढ़ के कोंडागांव में सीएएफ जवान ने खुद को गोली मार की आत्महत्या

कोंडागांव/रायपुर। छत्तीसगढ़ के कोंडगांव जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र बयानार में छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (सीएएफ) कैंप में पदस्थ एक जवान ने देर रात अपनी सर्विस रायफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। हालांकि अभी तक जवान के आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार घटना की जांच की जा रही है। मृतक की पहचान प्लाटून कमांडर दिनेश सिंह चंदेल के रूप में हुए है। वह दुर्ग जिले के निवासी थे। घटना के तुरंत बाद पुलिस को सूचित किया गया, जिसके बाद मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया गया है। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि जवान ने गोली चलाने से पहले पूरा घटनाक्रम खुद रिकॉर्ड किया। हालांकि, इसकी पुष्टि आधिकारिक तौर नहीं की गई है। जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी कि चंदेल ने यह गंभीर कदम क्यों उठाया।

बिहार के भागलपुर में नदी में गिरा वाहन, पांच कांवड़ियों की मौत

पटना। बिहार में भागलपुर जिले के बेलथ महतो स्थान से करीब आधा किलोमीटर की दूरी पर रात बरसाती नदी में पिकअप वैन के गिरने से 5 कांवड़ियों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक रविवार रात 11 बजे के करीब पिकअप गाड़ी पर डीजे और जनरेटर लगाकर 12 युवकों की टोली नाचते-गाते अंतिम सोमवारी पर जल चढ़ाने के लिए गंगा स्नान करने सुल्तानगंज जा रही थी। रात होने और डीजे के शोर में किसी कारण गाड़ी से चालक का नियंत्रण खो गया। इसके कारण शाहकुंड-सुलतानगंज मुख्य सड़क के महतो स्थान के आगे गाड़ी नदी में गिर गई। इस घटना में

कुछ युवकों ने जैसे-तैसे अपनी जान बचाई लेकिन 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वाले सभी शाहकुंड के ही बताये जा रहे हैं। इनकी पहचान संतोष कुमार, मनोज कुमार, विक्रम कुमार, अंकुश कुमार और मुन्ना कुमार के रूप में हुई है। मुख्यमंत्री ने जताया दुख मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दुर्घटना में 05 कांवड़ियों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दुर्घटना काफी दुःखद है। मुख्यमंत्री ने इस दुर्घटना में घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिर शान्ति तथा उनके परिजनों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी से पूछा, 'आपको कैसे पता कि चीन ने भारतीय जमीन पर कब्जा किया'

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से 'चीन के भारत की जमीन को कब्जे में' करने वाली टिप्पणी को लेकर सवाल पूछा है। राहुल गांधी ने 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान ये टिप्पणी की थी। अपने बयान में राहुल ने 9 दिसंबर 2022 को तवांग सेक्टर में भारत और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़प का भी जिक्र किया था। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी के इस दावे पर कहा कि, 'अगर वह एक सच्चे भारतीय होते, तो इस तरह की बातें नहीं करते।' सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की अध्यक्षता वाली पीठ ने राहुल गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा, 'आपको कैसे पता कि चीन ने 2,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय जमीन पर कब्जा कर लिया है? क्या आप वहां थे? क्या आपके पास कोई भरोसेमंद सबूत है? अगर आप एक सच्चे भारतीय होते, तो ऐसा नहीं कहते। जब सीमा पर संघर्ष होता है, तो दोनों तरफ हताहत होना कोई असामान्य बात नहीं है।'

कोर्ट ने यह भी कहा, 'जो कुछ कहना है, वह आप संसद में क्यों नहीं कहते? सोशल मीडिया पर ऐसा कहने की क्या जरूरत है?' यह सवाल सिंघवी की उस दलील के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा कि अगर विपक्षी नेता को मीडिया में राष्ट्रीय मुद्दों पर बोलने की अनुमति नहीं दी गई, तो यह एक 'दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति' होगी। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की उस याचिका पर विचार

करने की सहमति दी है जिसमें उन्होंने मांग की है कि पूर्व-संज्ञान चरण में अभियुक्तों को नोटिस देना अनिवार्य किया जाए। कोर्ट ने इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता से जवाब भी मांगा है। वहीं, कोर्ट ने राहुल गांधी को राहत देते हुए लखनऊ की अदालत की ओर से जारी समन (हाजिरी आदेश) पर अंतरिम रोक भी लगा दी है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के पूर्व निदेशक उदय शंकर श्रीवास्तव ने इस मामले को लेकर शिकायत की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी का बयान 'झूठा और निराधार' है और इसका मकसद भारतीय सेना और देश का मनोबल गिराना है। इससे पहले मई महीने में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने राहुल गांधी द्वारा दायर उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने आपराधिक मानहानि के मामले को रद्द करने की मांग की थी। राहुल गांधी की ओर से यह दलील दी गई थी कि शिकायतकर्ता (उदय शंकर श्रीवास्तव) का नाम बयान में लिया ही नहीं गया था, इसलिए उनके पास केस दर्ज कराने का कानूनी अधिकार नहीं है। लेकिन अदालत ने इस तर्क को मानने से इनकार कर दिया था। अदालत ने यह भी कहा, 'निचली अदालत ने सभी जरूरी तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए राहुल गांधी को भारतीय दंड संहिता की धारा 500 (मानहानि) के तहत मुकदमे का सामना करने के लिए समन (हाजिर होने का आदेश) भेजा है और यह फैसला सही है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा कि निचली अदालत द्वारा 11 फरवरी 2025 को जारी किया गया समन आदेश 'किसी भी तरह से अवैध नहीं है,' इसलिए उसमें कोई हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता। इस आदेश के बाद राहुल गांधी लखनऊ स्थित एमपी-एमएलए (सांसद-विधायक) अदालत में पेश हुए और उन्होंने 20 हजार का निजी मुचलका और 20 हजार की दो जमानत राशियां जमा कराई थी।

दिल्ली में कांग्रेस सांसद आर सुधा के साथ दिनदहाड़े चेन स्नैचिंग, गृह मंत्री अमित शाह को लिखा पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मयिलादुथुराई से लोकसभा सांसद आर सुधा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर दिल्ली में उनके साथ हुई चेन स्नैचिंग की घटना की शिकायत की है। यह घटना सोमवार सुबह पोलैंड दूतावास के पास हुई, जिसमें सांसद को मामूली चोटें भी आईं। आर सुधा ने अपने पत्र में बताया कि वह पिछले एक साल से नई दिल्ली में तमिलनाडु हाउस (कमरा नंबर 301) में रह रही हैं, क्योंकि उन्हें अभी तक आधिकारिक आवास नहीं मिला है। वह नियमित रूप से संसदीय कार्यवाही और समिति बैठकों में भाग लेती हैं। सुधा ने बताया कि समय मिलने पर वह सुबह की सैर के लिए निकलती हैं। 4 अगस्त को सुबह करीब 6 बजे सुधा और राज्यसभा की एक अन्य सांसद रजती

सैर के लिए निकलीं। पोलैंड दूतावास के गेट-3 और गेट-4 के पास एक अज्ञात व्यक्ति, जो हेलमेट पहने हुए था और स्कूटी चला रहा था, ने उनकी सोने की चेन झपट ली। सुधा ने बताया कि स्कूटी सवार धीरे-धीरे विपरीत दिशा से आया, जिसके कारण उन्हें कोई शक नहीं हुआ। झपटमारी से उनकी गर्दन पर कुछ निशान भी पड़ गए। उन्होंने खत में लिखा है कि इस अचानक हुई वारदात से वो चोटिल हुईं। वह किसी तरह गिरने से बच गईं। इसके बाद दोनों सांसदों ने मदद की गुहार लगाई। घटना के कुछ देर बाद दोनों को दिल्ली पुलिस की गश्ती वैन दिखी। जिसके बाद सांसद सुधा और रजती ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। आर सुधा के मुताबिक पुलिस वालों ने उन्हें लिखित शिकायत दर्ज करने और संबंधित पुलिस स्टेशन से संपर्क करने की सलाह दी।

अनिल विज का कटाक्षः ज्ञान के लिए संतों को सुनें, कथावाचक तो चार किताबें पढ़कर भी बन जाते हैं

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन और श्रम मंत्री अनिल विज ने एक बार फिर अपने तीखे बयानों से सुर्खियां बटोरी हैं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि उन्हें कथावाचकों की बातों पर ध्यान देने के बजाय संतों के ज्ञान को सुनना चाहिए। विज ने कथावाचक और संत के बीच के अंतर को स्पष्ट करते हुए कहा कि एक कथावाचक तो कोई भी चार किताबें पढ़कर बन सकता है, लेकिन संत वह होता है जिसने त्याग, तपस्या और आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त कर लिया हो और जिसका सीधा संबंध ईश्वर से हो। विज ने यह बात हाल ही में विवादों में आए कथावाचक अनिरुद्धाचार्य के बयानों का जिक्र करते हुए कही। तेजस्वी यादव के वोटर कार्ड पर राहुल गांधी को घेरा: अनिल विज ने बिहार के

पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के दो-दो मतदाता कार्ड होने के मामले पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। विज ने कहा कि तेजस्वी के दो मतदाता कार्ड उजागर होने से राहुल गांधी के 'बम का फ्यूज उड़ गया है'। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर तेजस्वी के दो कार्ड हैं, तो उनके कार्यकर्ताओं के पास तो 100-100 कार्ड होंगे। विज ने अपने पुराने बयान को दोहराते हुए कहा कि बिहार में 'फर्जी मतदाताओं की पैरवी फर्जी नेता कर रहे हैं'। उन्होंने यह बात अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'X' पर भी लिखी थी, जिसमें उन्होंने राहुल गांधी के 'एटम बम' का जिक्र किया था।

विज ने अपने दौरे और पार्टी से नाराजगी की खबरों को सिरे से खारिज किया। उन्होंने कहा कि वह कहीं नाराज नहीं हैं और उनसे बड़ा भारतीय जनता पार्टी का कोई भक्त नहीं हो सकता। उन्होंने बताया कि आगामी 15 अगस्त से वह पूरे हरियाणा का दौरा करेंगे।

दिल्ली में कांग्रेस सांसद आर सुधा के साथ दिनदहाड़े चेन स्नैचिंग, गृह मंत्री अमित शाह को लिखा पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली । तमिलनाडु के मयिलादुथुराई से लोकसभा सांसद आर सुधा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर दिल्ली में उनके साथ हुई चेन स्नैचिंग की घटना की शिकायत की है। यह घटना सोमवार सुबह पोलैंड दूतावास के पास हुई, जिसमें सांसद को मामूली चोटें भी आईं।

आर सुधा ने अपने पत्र में बताया कि वह पिछले एक साल से नई दिल्ली में तमिलनाडु हाउस (कमरा नंबर 301) में रह रही हैं, क्योंकि उन्हें अभी तक आधिकारिक आवास नहीं मिला है। वह नियमित रूप से संसदीय कार्यवाही और समिति बैठकों में भाग लेती हैं। सुधा ने बताया कि समय मिलने पर वह सुबह की सैर के लिए निकलती हैं। 4 अगस्त को सुबह करीब 6 बजे सुधा और राज्यसभा की एक अन्य सांसद रजती सैर के लिए निकलीं।

पोलैंड दूतावास के गेट-3 और गेट-4 के पास एक अज्ञात व्यक्ति, जो हेलमेट पहने हुए था और स्कूटी चला रहा था, ने उनकी सोने की चेन झपट ली। सुधा ने बताया कि स्कूटी सवार धीरे-धीरे विपरीत दिशा से आया, जिसके कारण उन्हें कोई शक नहीं हुआ। झपटमारी से उनकी गर्दन पर कुछ निशान भी पड़ गए। उन्होंने खत में लिखा है कि इस अचानक हुई वारदात से वो चोटिल हुईं। वह किसी तरह गिरने से बच गईं। इसके बाद दोनों सांसदों ने मदद की गुहार लगाई। घटना के कुछ देर बाद दोनों को दिल्ली पुलिस की गश्ती वैन दिखी। जिसके बाद सांसद सुधा और रजती ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। आर सुधा के मुताबिक पुलिस वालों ने उन्हें लिखित शिकायत दर्ज करने और संबंधित

सुधा ने बताया कि समय मिलने पर वह सुबह की सैर के लिए निकलती हैं। 4 अगस्त को सुबह करीब 6 बजे सुधा और राज्यसभा की एक अन्य सांसद रजती सैर के लिए निकलीं।

पुलिस स्टेशन से संपर्क करने की सलाह दी। एमपी सुधा ने गृह मंत्री से इस घटना पर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने दिल्ली में सांसदों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया।

सत्ता पक्ष के प्रवक्ता की तरह चुनाव आयोग की कार्यशैली : पप्पू यादव

एजेंसी

पटना । बिहार के पूर्णिया से सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को दो वोटर कार्ड मामले में चुनाव आयोग द्वारा नोटिस भेजे जाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है और भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहा है। पप्पू यादव ने दावा किया कि सत्ता पक्ष की तरह चुनाव आयोग काम कर रहा है। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान पप्पू यादव ने आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए इसे संदिग्ध करार दिया और आरोप लगाया कि आयोग ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है। उन्होंने कहा कि जब भाजपा के प्रवक्ता बयान

देते हैं और उसके बाद नोटिस भेजा जाता है, तो यह गलत है। पप्पू यादव ने तंज कसते हुए कहा कि आयोग अलाद्दीन का चिराग नहीं है कि नोटिस भेजकर सब कुछ ठीक कर देगा। उन्होंने दावा किया कि आयोग ने अपनी कार्यशैली से यह साबित कर दिया है कि वह भाजपा के प्रवक्ता की तरह व्यवहार कर रहा है और अपनी प्रासंगिकता खो चुका है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बिहार दौरे पर उन्होंने कहा कि वे बिहार में महागठबंधन (कांग्रेस-राजद गठबंधन) के साथ एक राज्यव्यापी दौरे की शुरुआत करने जा रहे हैं, जो कटिहार तक होगा। इस दौरे का उद्देश्य बिहार के गरीबों, दलितों, और महादलितों की समस्याओं को उठाना और विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची संशोधन के खिलाफ विरोध जताना है।

सरकार और एजेंसी मालेगांव बम ब्लास्ट के षड्यंत्रकारी को ढूंढे - भैयाजी जोशी

नागपुर। मालेगांव ब्लास्ट मामले में एनआईए कोर्ट ने सात आरोपियों को बरी कर दिया है, जिसमें साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर भी शामिल हैं। बरी होने के बाद उन्होंने दावा किया कि जेल में रहने के दौरान उन पर कई बड़े लोगों का नाम लेने का दबाव बनाया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सुरेश भैयाजी जोशी ने कहा, 'जब साध्वी ने कहा है तो सही होगा, क्योंकि बहुत पहले से ये षडयंत्र चला आ रहा है। लेकिन, अब न्यायालय के निर्णय के बाद सिद्ध हुआ कि ये षड्यंत्र था। अब एजेंसी और सरकार का काम है कि ये षड्यंत्र किसने किया है, उसे ढूंढे।' महाराष्ट्र में जारी हिंदी-मराठी भाषा विवाद पर उन्होंने कहा, 'देश में जितनी भी भाषाएं हैं, वे सभी भारत की भाषाएं हैं। हम सभी का सम्मान करते हैं। जोड़ने वाली भाषा एक होनी चाहिए। बहुत पहले से हमने कहा कि देश को जोड़ने वाली भाषा हिंदी है।' जोशी ने धर्मांतरण के विषय पर कहा, 'धर्मांतरण का विषय बहुत ही गंभीर है। नागालैंड और मिजोरम में आज से नहीं बल्कि 200 से 250 सालों से यह चल रहा है। आज भी यह जारी है। हमें खुशी है कि ईसाई समाज से कुछ संस्थाएं सामने आई हैं, जो कहती हैं कि हम धर्मांतरण के खिलाफ हैं।

उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को दिए अहम निर्देश

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बाढ़ की स्थिति, आगामी पर्व-त्योहारों के दृष्टिगत कानून व्यवस्था, ड्रोन परिचालन, हर घर तिरंगा अभियान, बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा की। इस अवसर पर जनपदों के प्रभारी मंत्री, वरिष्ठ अधिकारियों समेत जनपदों के डीएम और एसपी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े थे। मुख्यमंत्री ने बैठक में बाढ़ प्रभावित इलाकों के अधिकारियों को राहत कार्यों में तेजी

लाने, बाढ़ शरणालय में महिलाओं की सुरक्षा, बच्चों के लिए दूध उपलब्ध कराने, पीड़ित लोगों को राहत सामग्री और खाद्य सामग्री वितरित करने, जर्जर भवन में रह रहे लोगों को बाढ़ शरणालय में शिफ्ट करने, रेस्क्यू और राहत कार्यों के लिए छोटी और मझोली नावों को इस्तेमाल न करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राहत कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आयुक्तों को बाढ़ संबंधित रिपोर्ट रोजाना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने पवित्र श्रावण मास के अंतिम सोमवार को शिवालयों व मंदिरों में श्रद्धालुओं की सुरक्षा की समुचित व्यवस्था करने, बरसात को देखते हुए मंदिर परिसर में कहीं भी विद्युत तार खुले न हों साथ ही, साफ-सफाई का भी आदेश दिया। रक्षा बंधन के अवसर पर आगामी 8 अगस्त की सुबह से 9 अगस्त व 10 अगस्त की रात्रि 12 बजे तक यूपीएसआरटीसी की बसों व नगरीय बस सेवा की बसों में माताओं-बहनों को निःशुल्क यात्रा की व्यवस्था रहेगी। नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में बसें चलाई जाएंगी। नगरीय क्षेत्रों में कहीं भी जाम की स्थिति न होने पाए। राज्य मार्गों व अन्य मार्गों में पेट्रोलिंग का आदेश दिया गया।

चोरी के मोबाइल बेचने वाली महिला गिरफ्तार, 34 फोन और टैबलेट बरामद

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी जिले की न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी (एनएफसी) थाना पुलिस ने चोरी के मोबाइल फोन की खरीद-फरोख्त करने वाली एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपित महिला के पास से 34 मोबाइल फोन और एक टैबलेट पैड बरामद किया गया है। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि महिला लंबे समय से चोरी के उपकरणों की खरीद-बिक्री में लिप्त थी। दक्षिण-पूर्वी जिले के डीसीपी हेमंत तिवारी के अनुसार एक अगस्त को स्ट्रीट क्राइम (सड़क पर होने वाले अपराध) पर नकेल कसने के उद्देश्य से इंस्पेक्टर राजेंद्र कुमार जैन की देखरेख में पुलिस टीम इलाके में गश्त कर रही थी। गश्त के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध महिला को रोका, जिसके पास बड़ा बैग था। तलाशी लेने पर बैग से 34 मोबाइल फोन और एक टैबलेट पैड बरामद हुआ। जांच में आरोपित की पहचान जैस्मिन (32) के रूप में हुई। पूछताछ में पता चला कि वह इससे पहले चोरी और चोरी की संपत्ति की खरीद-बिक्री के चार मामलों में शामिल रह चुकी है। जांच में के दौरान आरोपित जैस्मिन ने बताया कि वह दो व्यक्तियों से सस्ते दामों पर चोरी के मोबाइल खरीदती थी और फिर अधिक कीमत में अज्ञात व्यक्तियों को बेचती थी। गिरफ्तारी के वक्त भी वह मोबाइल बेचने ही जा रही थी।

कार में आग लगने से ड्राइवर की मौत, एक घायल

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले नरेला के ऊटर रिंग रोड-II (यूईआर-II), झांडा चौक के पास भीषण हादसा हो गया। पुलिस को रात करीब दो बजे एक कार में दुर्घटना व आग लगने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने देखा कि एक एर्टिगा टैक्सी जल रही थी। जिसके ड्राइवर सीट पर एक व्यक्ति जली हुई हालत में मृत मिला। जबकि बगल की सीट पर बैठा दूसरा व्यक्ति घायल अवस्था में पाया गया। पुलिस ने तुरंत घायल को अस्पताल पहुंचाया। जहां एक युवक को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। स्थानीय पुलिस के अलावा क्राइम टीम को बुलाकर मौका-ए-वारदात का निरीक्षण कराया गया। फोटोग्राफी व साक्ष्य एकत्रित किए गए। जांच के दौरान मृतक की पहचान पानीपत निवासी विपेंदर (40) के रूप में हुई। जबकि घायल की जगबीर (40) का इलाज चल रहा है । पुलिस ने दोनों के परिजनों को सूचना दे दी है और मामले की जांच जारी है।

तेज बरसात में गिरा आशियाना

नई दिल्ली। क्षेत्र गांव हसुपुर में शाम से शुरू हुई बारिश गरीब के लिए आफत बन गई। मजदूर का आशियाना झमाझम बारिश के साथ गिर गया, जिसमें दबकर एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी गंभीर दशा को देखते हुए मेरठ के लिए देकर कर दिया गया है। सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों ने प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना देकर पीड़ित को मुआवजा दिलाने की मांग की है। गांव निवासी श्यामलाल मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करता है। उसके मकान की छत लोहे के गटर और मिट्टी का बनी हुई है। रविवार की रात को परिवार के सभी लोग खाना खाने के बाद सो गए थे। शाम से शुरू हुई बारिश देर रात को तेज हो गई। बारिश तेज होने से श्याम लाल के मकान की छत भरा भर करते हुए गिर गई। छत गिरने से परिवार के लोगों ने भाग कर अपनी जान बचाई। इस दौरान श्याम लाल के घर आई उसकी रिश्तेदारी महिला रूपवती घायल हो गई। जैसे तैसे कर घायल को मकान के मलबे से बाहर निकलते हुए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया जहां से उसकी गंभीर दशा को देखते हुए मेरठ के लिए रेफर कर दिया गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन के अधिकारियों को घटना की सूचना देकर पीड़ित को मुआवजा दिलाने की मांग की है। एसडीएम अंकित वर्मा ने बताया कि मौके पर राजस्व की टीम भेजकर संबंधित घटना की रिपोर्ट तैयार करते हुए पीड़ित को हर संभव संबंधित मदद की जाएगी।

दिल्ली में दो विदेशी नागरिकों की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के डाबड़ी इलाके में घर में दो नाइजीरियाई युवकों की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। शुरुआती जांच के बाद पुलिस को आशंका है कि दोनों की मौत नशे की ओवरडोज से या फिर दूषित खाना खाने से हुई है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा। मृतक की पहचान जोसफ और चिबिटर्न के रूप में हुई है। जिला पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि रविवार शाम पुलिस को चाणक्य प्लेस स्थित ए-2/9, प्रथम तल पर कपड़े के गोदाम के पीछे एक इमारत में दो नाइजीरियाई नागरिकों के शव मिलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन करने के बाद क्राइम और फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया। टीम ने वहां से साक्ष्य हासिल किया। छानबीन के बाद पुलिस ने बताया कि मृतकों के शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं मिले हैं। जांच करने पर पता चला कि दोनों युवक बुराड़ी इलाके के रहने वाले थे। एक दिन पहले ही वह अपने एक परिचित हैनरी के पास आए थे जिसने मकान को किराये पर लिया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच में किसी भी प्रकार की कोई गड़बड़ी सामने नहीं आई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए डीडीयू मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस ने दोनों मृतकों के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए पुलिस की एक टीम को बुराड़ी के लिए रवाना कर दिया है। पुलिस मृतकों के बारे में पता कर रही है।

बिहार में ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होने के बाद किसी राजनीतिक दल ने नहीं दर्ज करायी आपत्ति,आकड़े जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद एक अगस्त को जारी हुई नई ड्राफ्ट वोटर लिस्ट को लेकर 48 घंटे बाद तक किसी भी राजनीतिक दल की ओर से निर्वाचन आयोग को कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई है। यह जानकारी भारत निर्वाचन आयोग ने साझा की। आयोग के अनुसार ये आंकड़े 01 अगस्त दोपहर 3 बजे से 03 अगस्त दोपहर 3 बजे तक के हैं।

दरअसल, एक अगस्त को राज्य में मतदाता सूची पुनरीक्षण के बाद यह ड्राफ्ट सूची आम लोगों के लिए जारी की गई थी। निर्वाचन आयोग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक, सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के बीएलए मतदाता पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय रूप से शामिल रहे लेकिन किसी भी पार्टी ने औपचारिक रूप से सूची को लेकर आपत्ति दर्ज नहीं कराई। बीएलए की संख्या में भाजपा आगेबीएलए की

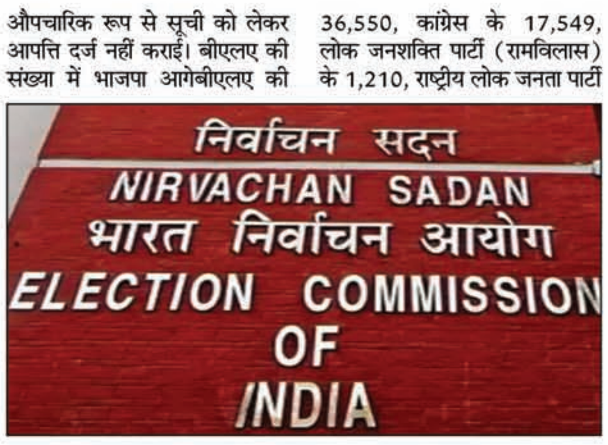

संख्या के मामले में भारतीय जनता पार्टी सबसे आगे रही, जिसके 53,338 बीएलए कार्य में लगे थे। वहीं, राष्ट्रीय जनता दल के 47,506, जनता दल यूनाइटेड के 36,550, कांग्रेस के 17,549, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 1,210, राष्ट्रीय लोक जनता पार्टी के 1,913, और भाकपा (माले) के 1,496 बीएलए सूची में दर्ज हैं। इसके अलावा बहुजन समाज पार्टी के 74, आम आदमी पार्टी के 1, भाकपा (मार्क्सवादी) के 899, नेशनल पीपुल्स पार्टी के 7 और रालोसपा के 250 बीएलए ने भी प्रक्रिया में भाग लिया। चुनाव आयोग ने यह भी बताया कि अब तक आम नागरिकों की ओर से कुल 941 आपत्तियां प्राप्त हुई हैं, जबकि 18 वर्ष या उससे अधिक आयु प्राप्त करने वाले नए मतदाताओं से 4,374 फॉर्म प्राप्त किए गए हैं। आयोग ने की समय पर उचित आपत्ति दर्ज कराने की अपीलमहागठबंधन के घटक दल लगातार एसआईआर प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहे हैं। बावजूद इसके, ड्राफ्ट सूची जारी होने के दो दिन बाद तक किसी भी दल ने आधिकारिक आपत्ति दाखिल नहीं की है। निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों से अपील की है कि यदि उन्हें सूची में कोई त्रुटि या अनियमितता दिखती है तो वे समय रहते उचित आपत्ति दर्ज कराएं।

इंस्टाग्राम पर अश्लील सामग्री भेजकर ब्लैकमेल करने वाला आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिले की साइबर सेल ने इंस्टाग्राम के जरिए युवती को अश्लील तस्वीरें और वीडियो भेजकर ब्लैकमेल करने वाले आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित पीड़िता का ही रिश्तेदार निकला और पैसे व अन्य मांगें पूरी न होने पर उसकी निजी तस्वीरें सार्वजनिक करने की धमकी दे रहा था। पुलिस के मुताबिक शिकायतकर्ता प्रियंशु मवाना ने साइबर थाना में शिकायत दी थी कि कोई व्यक्ति उनकी बहन की अश्लील फोटो और वीडियो इंस्टाग्राम पर भेजकर उसे बदनाम करने और ब्लैकमेल करने की कोशिश कर रहा है। इस शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए इंस्पेक्टर दिनेश दहिया के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी जांच व सर्विलांस के आधार पर आरोपित की तलाश शुरू की। काफी प्रयासों के बाद पुलिस ने आरोपित प्रशांत चौधरी उर्फ पीयूष (28) को गिरफ्तार किया।आरोपित बुलंदशहर (उप्र.) से गिरफ्तार किया है। वह लगातार

पुलिस ने आरोपित के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल हुआ एक मोबाइल फोन बरामद किया है।

मोबाइल फोन बंद रखता था व अपने आइडेंटिटी छिपाने के लिए कई इंस्टाग्राम अकाउंट्स का इस्तेमाल करता था। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल हुआ एक मोबाइल फोन बरामद किया है। पूछताछ में उसने बताया कि वह अपनी निजी मांगें पूरी करवाने के लिए लड़की को ब्लैकमेल कर रहा था। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि आरोपित और कितने मामलों में शामिल रहा है।

'दिल्ली स्कूल एजुकेशन विधेयक 2025' अव्यवहारिक व भ्रमित करने वाला : देवेंद्र यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने 'दिल्ली स्कूल एजुकेशन (फीस निर्धारण एवं विनियमन में पारदर्शिता) विधेयक 2025' को अव्यवहारिक, भ्रमित करने वाला और जनविरोधी करार दिया है। देवेंद्र यादव ने विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी (आआपा) की तरह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)भी शिक्षा सुधार के नाम पर सिर्फ दिखावा कर रही है। पांच महीने में मुख्यमंत्री यह तय नहीं कर सकी कि बिल को अध्यादेश के रूप में लाएं या विधानसभा में पेश करें। उनकी असमंजसता से साफ हो गया है कि शिक्षा को लेकर भाजपा सरकार की नीयत कितनी असंवेदनशील और अस्पष्ट है। देवेंद्र यादव ने कहा कि पिछली आआपा की सरकार ने कभी भी निजी स्कूलों की मनमानी फीस बढ़ोतरी रोकने के लिए कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं बनाई और यह विधेयक भी उसी पुरानी गलती को दोहरा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली स्कूल एजुकेशन विधेयक 2025 का असली उद्देश्य निजी स्कूलों को

नियंत्रण में लाना तथा अभिभावकों को भ्रमित करके मनमानी फीस वृद्धि के मुद्दे से जनता का ध्यान भटकाना है। यह किसी जनदबाव या जनाक्रोश की प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि एक सोची-समझी राजनीतिक साजिश है। उन्होंने कहा कि डीपीएस द्वारका मनमानी फीस वसूलने जैसे मामलों की सच्चाई आज सभी के सामने है, लेकिन इस पर सरकार गंभीर कदम उठाने से बच रही है। देवेंद्र यादव ने बताया कि दिल्ली स्कूल एजुकेशन विधेयक में ऐसी व्यवस्था की गई है कि डिस्ट्रिक्ट फीस अपीलीट कमेटी के पास कोई शिकायत केवल तब ही की जा सकती है जब कम से कम 15 प्रतिशत अभिभावक सामूहिक रूप से आवेदन करें। इस प्रावधान से आम अभिभावक न्याय की पहुंच से दूर हो होगा और स्कूल प्रबंधन मनमानी करता रहेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फीस निर्धारण समितियों का गठन और सदस्यों का चयन पूरी तरह से स्कूलों के नियंत्रण में होगा। इससे पारदर्शिता समाप्त हो जाएगी और निष्पक्षता की कोई गारंटी नहीं रह जाएगी देवेंद्र यादव ने दिल्ली स्कूल एजुकेशन विधेयक 2025 को अभिभावक विरोधी और शिक्षा विरोधी करार देते हुए मांग की कि इसे तत्काल सुधार के लिए वापस लिया जाए।

मुख्यमंत्री ने एसएसबी मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल दिल्लीवासियों को किया समर्पित

एजेंसी

नई दिल्ली । मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कैलाश कॉलोनी में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त एसएसबी मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल का लोकार्पण कर उसे दिल्लीवासियों को समर्पित किया। इस अवसर पर सांसद बांसुरी स्वराज एवं विधायक शिखा राय की उपस्थिति रही।

मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि स्वस्थ नागरिक और सक्षम राष्ट्र हमारी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत, वय वंदन योजना, जन औषधि केंद्र और आयुष्मान आरोग्य मंदिर जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकारें दिल्ली को एक समावेशी और सशक्त स्वास्थ्य व्यवस्था की राजधानी बनाने के लिए कटिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में पीपीपी मॉडल के तहत सभी सरकारी अस्पतालों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। साथ ही अधूरे अस्पतालों का कार्य जल्द पूर्ण होगा, हर अस्पताल में ट्रॉमा सेंटर, आधुनिक मशीनें और

गुणवत्ता युक्त उपचार व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने 24 जुलाई को दिल्ली की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को आधुनिक और मजबूत बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए अस्पताल सूचना प्रबंधन प्रणाली (एचआईएमएस), 34 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर और आठ नए जन औषधि केंद्र शुभारंभ किया था। दिल्ली सरकार ने स्वास्थ्य सैक्टर को और मजबूत बनाने के लिए अस्पतालों के लिए स्थायी भर्ती शुरू कर दी गई है। इसके तहत 1350 से अधिक नर्सिंग स्टाफ को स्थाई नौकरी दी गई है। दिल्ली के बजट में स्वास्थ्य सेक्टर के विकास के लिए 1700 करोड़ रुपये का आवंटन है।

शिविर लगाकर गरीबों का इलाज कर रहे डॉक्टर-दंपति

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की राजधानी के सीमापुरी इलाके में डॉक्टर गोपाल झा जाना पहचाना नाम है। वह और उनकी पत्नी डॉ अल्पना झा आजकल शिविर लगाकर गरीब-गुरबों का इलाज कर रहे हैं। डॉक्टर दंपति के मार्गदर्शन में यहां बिहार एवं झारखंड मेडिकल फोरम (बीजेएमएफ), दिल्ली और केयर क्योर क्लीनिक के सहयोग से आयोजित मुफ्त चिकित्सा जांच शिविर में भारी तादाद में मरीज पहुंचे थे। शिविर में पहुंचे मरीजों की संपूर्ण स्वास्थ्य जांच की जा रही थी। साथ ही, नसों की जांच, हड्डियों की जांच, ब्लड शुगर एवं थायरॉयड जांच की सुविधाएं भी निःशुल्क उपलब्ध थीं। शिविर में ज्यादातर गरीब परिवारों के मरीज पहुंचे थे। शिविर के आयोजकों ने बताया कि स्वास्थ्य संबंधी तमाम जांच की सुविधाएं उपलब्ध होने से मरीज खुश थे। डॉ गोपाल झा ने कहा कि सेहतमंद रहने के लिए समय-समय पर संपूर्ण स्वास्थ्य जांच जरूरी है क्योंकि कभी-कभी लोगों को

स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्या का भी पता नहीं चल पाता है, जो आगे चलकर जानलेवा बीमारी का कारण बन जाती है। उन्होंने कहा कि गरीब परिवार के लोग पैसे के अभाव में संपूर्ण स्वास्थ्य जांच नहीं करवा पाते हैं। इसलिए, हम ऐसे मुफ्त चिकित्सा जांच शिविर लगवा रहे हैं ताकि लोगों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का आसानी से निदान हो सके और हर परिवार सेहतमंद रहे। बताते चलें कि डॉ. गोपाल झा ऐसे कोविड वॉरियर रहे हैं जो संक्रमित मरीजों का इलाज करते हुए दिल्ली में सबसे पहले कोविड-19 से प्रभावित होने वाले डॉक्टर थे। स्वस्थ होने पर वह फिर मरीजों के इलाज में जुट गए। डॉ दंपति ने बताया कि आज शिविर में उन्होंने 135 से ज्यादा मरीजों की स्वास्थ्य जांच की और उन्हें उचित परामर्श दिया। डॉ अल्पना झा ने कहा कि समाज के कमजोर तबकों को मुफ्त स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध करवाना हमारा मुख्य मकसद है और ऐसे शिविर के माध्यम से उन्हें यह सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि इस शिविर के आयोजन में बीजेएमफ के प्रेसिडेंट डॉ. एम. पी. शर्मा का बहुत बड़ा योगदान रहा। इस मौके पर मौजूद डॉ शर्मा ने कहा कि उनका फोरम मानव सेवा के प्रति कृतसंकल्प है और हर महीने जगह-जगह मुफ्त चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन करके वह मानव सेवा का कार्य कर रहे हैं।

लूटपाट के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। । दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की इंटर स्टेट सेल ने लूटपाट के मामले में फरार चल रहे लुटेरे अरबाज़ (24) को गिरफ्तार किया है। आरोपित पिछले कई महीनों से पुलिस की गिरफ्त से बचता फिर रहा था। क्राइम ब्रांच के डीसीपी आदित्य

गौतम के अनुसार 22 फरवरी 2025 की रात करीब 9:30 बजे शिकायतकर्ता राजू कमला मार्केट से ऑटो में घर लौट रहे थे। शांति वन लाल बत्ती के पास ड्राइवर ऑटो रोककर नीचे उतरा। तभी ऑटो में मौजूद दो अन्य लोगों ने ब्लेड दिखाकर राजू का मोबाइल फोन और 10,000 नकद लूट लिया। इस संबंध में कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज किया। उक्त मामले में दो आरोपित अमन और रहीम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था, जबकि तीसरा आरोपित अरबाज़ मौके से फरार हो गया था।

डीसीपी के अनुसार फरार अरबाज की गिरफ्तारी का जिम्मा इंटर स्टेट सेल को सौंपा गया। पुलिस टीम ने लगातार सर्विलांस और खुफिया कार्रवाई की। टीम ने आरोपित के संभावित ठिकानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए जीरो पुस्ता रोड सीलमपुर में दबिश देकर अरबाज़ को दबोचा।

गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में अरबाज़ ने लूट की वारदात को अमन और रहीम के साथ मिलकर अंजाम देना स्वीकार किया। उसने बताया कि पकड़े जाने से बचने के लिए वह लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था।

जितेंद्र आव्हाड का बयान उनका निजी नजरिया, नहीं करूंगा कोई टिप्पणी - उदित राज

एजेंसी

नई दिल्ली। एनसीपी (एसपी) के नेता जितेंद्र आव्हाड की ओर से 'सनातन' धर्म के खिलाफ दिए गए बयान से देश की सियासत गर्मा गई है। उनके बयान पर कांग्रेस नेता उदित राज ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह आव्हाड का निजी नजरिया है और वह इस पर ज्यादा टिप्पणी नहीं करना चाहेंगे। उदित राज ने कहा, 'जब शिवाजी का राजतिलक होना था, तब कोई पंडित तैयार नहीं था। उन्हें वाराणसी जाना पड़ा, जहां एक पंडित के बाएं अंगूठे से तिलक किया गया। इसके बाद भी भारी रकम उन्हें चुकानी पड़ी। यह अपमान तो था ही।' उन्होंने आगे कहा कि भारत में जातियां समाज को बांटती हैं। मैं अपने अनुभव से कहूं तो एक गांव में 10 जातियां हों, तो अलग-अलग टोले बन जाते हैं, जो एक-दूसरे के विपरीत रहते हैं। यह एक तरह का अघोषित सिविल वॉर है, जो हमारे समाज का अभिशाप है। यह जातिगत मानसिकता शिक्षा, राजनीति और अन्य क्षेत्रों में प्रगति को रोकती है। उदित राज ने भाजपा नेता नितेश राणे के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जो जिहादी सोच रखता है, वही दूसरों को जिहादी कहेगा। मुझे तो इस देश में कोई

जिहादी दिखता नहीं। छोटे-मोटे झगड़े हर जगह होते हैं, चाहे वह जाति के बीच हों या धर्मों के बीच। केवल हिंदू-मुस्लिम में ही नहीं, बल्कि जातियों में भी गहरे मतभेद हैं। इसे भी एक तरह का जातिगत जिहाद कह सकते हैं। उनके दिमाग में केवल जिहाद है। उदित राज ने राहुल गांधी के हालिया कृषि कानूनों पर दिए गए बयानों का जिक्र किया। उदित राज ने कहा कि राहुल गांधी 2015 के उस बिल की बात कर रहे थे, जो बहुत खतरनाक था। इसका भारी विरोध हुआ था, जिसके बाद सरकार को इसे वापस लेना पड़ा। कुछ लोग इसे गलत समय से जोड़ रहे हैं। अरुण जेटली के बारे में राहुल गांधी का इशारा उसी बिल की ओर था।

ट्रिपल इंजन सरकार जनता के सभी काम कर रही है: रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ट्रिपल इंजन सरकार दिल्ली की जनता के सभी काम कर रही है। उन्होंने यह बात ग्रेटर कैलाश की विधायक शिखा राय के कार्यालय जन सेवा केंद्र का उद्घाटन करती हुए कही। उन्होंने यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा के विधायक जनता के बीच जाकर 24 घंटे सातों दिन जनता की सेवा कर रहे हैं। आज भी इस जन सेवा केंद्र में हजारों लोग आए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस जन सेवा केंद्र में लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। भाजपा के सभी विधायक जन सेवा में लगे हुए हैं। उन्होंने पिछली सरकार के विधायकों पर तंज करते हुए कहा कि उनके कार्यालय घरों में होते थे जहां जनता पहुंच भी नहीं पाती थी। हमारे विधायक जनता के बीच जाकर समस्याओं का समाधान करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली का तेजी से विकास हो रहा है और दिल्ली वालों को सभी समस्याओं का हल किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केंद्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीके 'सेवा और सुशासन' के संकल्प को साकार करते हुए आम जनता की समस्याओं के समाधान, केंद्र एवं

राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी, और जरूरतमंदों को त्वरित सहायता पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बनेगा। भाजपा की सरकार अंतिम पंक्ति के नागरिक तक विकास, सेवा और अधिकार समयबद्ध रूप से पहुंचाने के लिए संकल्पबद्ध है।इस अवसर पर सांसद बांसुरी स्वराज एवं स्थानीय विधायक शिखा राय उपस्थिति रही।

सीबीआई ने 10 लाख रुपए की रिश्वत मामले में सीमा शुल्क अधिकारी को किया गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मुंबई के सहार स्थित एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स में तैनात सीमा शुल्क अधीक्षक कृष्ण कुमार को एक कस्टम हाउस एजेंट (सीएचए) फर्म से 10 लाख 20 हजार रुपए की रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

विस्तृत सत्यापन और निगरानी प्रक्रिया के बाद 2 अगस्त को आरोपी की गिरफ्तारी की गई। सीएचए फर्म की शिकायत के आधार पर कृष्ण कुमार और अन्य अज्ञात लोक सेवकों और निजी व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपी अधिकारी आयातित माल की सुचारू निकासी सुनिश्चित करने के लिए स्वयं तथा अपने वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से 10 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से रिश्वत मांग रहा था। शिकायतकर्ता के मना करने के बावजूद आरोपी कथित तौर पर अपनी मांग पर अड़ा रहा और यहां तक कि धमकियां भी देता रहा, जिसके परिणामस्वरूप माल की खेप को जानबूझकर रोक दिया गया। 25 जुलाई और 1 अगस्त के

बीच स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में किए गए सत्यापन में रिकॉर्ड की गई बातचीत और पुष्टिकारी साक्ष्य के माध्यम से अवैध रिश्वत की मांग की पुष्टि हुई। सीबीआई ने कहा कि कृष्ण कुमार ने पहले से क्लीयर हुए माल के लिए 6 लाख रुपए मांगे थे, जिसमें से 5.8 लाख रुपए अपने वरिष्ठ अधिकारियों के लिए और 20,000 रुपए अपने लिए। इसके अतिरिक्त, उसने वर्तमान में रखे गए माल को जारी करने के लिए 10 लाख रुपए और भविष्य में भेजे जाने वाले माल के लिए 10 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से भुगतान की मांग की। सीबीआई अधिकारियों द्वारा बिछाए गए जाल में आरोपी को 10 लाख 20 हजार रुपए नकद लेते रंगे हाथों पकड़ा गया, जिसके बाद उसे अदालत में पेश किया गया, जहां उसे 6 अगस्त तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। एक अधिकारी ने बताया कि इस मामले भी जांच अभी जारी है।

ओडिशा की नाबालिग लकड़ी की मौत मामले में नया मोड़, पिता ने वीडियो जारी कर बताया आत्महत्या

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा के पुरी जिले के बलंगा में आग से बुरी तरह से झुलसी नाबालिग लड़की की इलाज के दौरान मौत हो गई है। इस मामले में पहले कहा जा रहा था कि लड़की को अज्ञात बदमाशों ने जलाया था, लेकिन अब इस केस में नया मोड़ आ गया है। लड़की के पिता ने एक वीडियो जारी कर कहा है कि उनकी बेटी ने मानसिक अवसाद के कारण आत्महत्या की है। लड़की का पिछले कई दिनों से इलाज चल रहा था। शनिवार को नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में उसने दम तोड़ दिया। इस घटना को लेकर पीड़िता के पिता ने एक वीडियो जारी कर बताया कि उनकी बेटी ने मानसिक तनाव के कारण आत्महत्या की है। उन्होंने कहा कि मैंने अपनी बेटी को खो दिया है। वह मानसिक तनाव के कारण खुद को खत्म कर बैठी। वह जिस आघात से गुजरी, वह सहनीय नहीं था। उन्होंने जनता और राजनीतिक दलों से इस दुखद घटना का राजनीतिकरण न करने की अपील की। उन्होंने आगे कहा कि ओडिशा सरकार ने मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत कुछ किया है। मेरी विनती है कि कृपया इस मामले को राजनीति से न जोड़ें और मेरी बेटी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करें। वहीं इस मामले को लेकर ओडिशा पुलिस ने भी कहा है कि उसकी जांच में इस घटना में किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता का कोई सबूत नहीं मिला है। ओडिशा पुलिस ने एक्स पर जारी आधिकारिक बयान में कहा कि बलंगा घटना में पीड़ित लड़की की मौत की खबर सुनकर हमें गहरा दुख हुआ है। मामले की जांच पूरी गंभीरता से की गई है और यह अब अपने अंतिम चरण में है। पुलिस ने आगे स्पष्ट किया कि अब तक की जांच में किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता का कोई प्रमाण नहीं मिला है। साथ ही अपील की कि जब तक कानूनी प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक किसी भी अपुष्ट खबर पर प्रतिक्रिया देने से बचें और संवेदनशीलता बनाए रखें। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने लड़की की मौत पर दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि पीड़िता की मृत्यु की खबर सुनकर मुझे गहरा दुख पहुंचा है। सरकार के तमाम प्रयासों और एम्स, दिल्ली की विशेषज्ञ चिकित्सा टीम के प्रयासों के बावजूद, उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। मैं उसकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं और ईश्वर से उसके परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं।

संपादक की कलम से

स्कूल छोड़ती बेटियाँ: संसाधनों की कमी या सामाजिक चूक?

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा हर गली-चौराहे, सरकारी इमारतों और बैनरों पर चमकता है, लेकिन यह नारा उन गाँवों और बस्तियों तक नहीं पहुँच पाता जहाँ बेटियाँ रोज स्कूल छोड़ रही हैं। हालिया रिपोर्ट से पता चला है कि 15 से 18 वर्ष की आयु वर्ग की 39.4% लड़कियाँ स्कूल से बाहर हैं। यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं, यह हमारे सामाजिक ढांचे पर एक कठोर टिप्पणी है।

घर से स्कूल की दूरी, सुरक्षित परिवहन की कमी, उच्च माध्यमिक विद्यालयों का अभाव, शौचालयों की स्थिति और सामाजिक असुरक्षा झ ये सारी बातें किसी शोधपत्र की विषयवस्तु नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत हैं जिनसे रोज हजारों बच्चियाँ जूझ रही हैं। और अंततः उन्हें शिक्षा से हाथ धोना पड़ता है। सरकारी आंकड़े भले ही बढ़े हुए नामांकन दिखाते हों, लेकिन हकीकत यह है कि नामांकन के बाद लड़कियाँ स्कूल तक टिक नहीं पातीं।

एक आम ग्रामीण परिदृश्य को देखें। पाँचवीं तक की स्कूल तो आसपास है, लेकिन आठवीं के बाद विद्यालय दूर है। परिवहन की कोई सुविधा नहीं। न बस, न साइकिल, न ही कोई महिला सहकर्मी या मार्गदर्शक। माता-पिता अपनी बेटी को पाँच किलोमीटर दूर अकेले भेजने से डरते हैं। उन्हें चिंता होती है कि रास्ते में कोई छेड़छाड़ न हो, कोई हादसा न हो। उस चिंता में स्कूल जाना बंद हो जाता है।

शौचालयों की बात करें तो यह सिर्फ सुविधा नहीं, आत्मसम्मान और स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा है। किशोरावस्था में लड़कियाँ उन परिवर्तनों से गुजरती हैं, जहाँ एक स्वच्छ और सुरक्षित शौचालय उनकी शिक्षा की निरंतरता तय कर सकता है। लेकिन अधिकांश सरकारी स्कूलों में या तो शौचालय हैं ही नहीं, या हैं तो गंदे, असुरक्षित, या क्षतिग्रस्त। माता-पिता के लिए यह एक और कारण बन जाता है अपनी बेटियों को स्कूल से हटाने का।

सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है। जिन स्कूलों में कोई महिला शिक्षक नहीं होतीं, कोई सीसीटीवी कैमरा या गार्ड नहीं होता, वहाँ किशोर लड़कियों को भेजना आज भी माता-पिता के लिए जोखिम उठाने जैसा है। यह डर केवल अव्यवस्था से नहीं, समाज की असंवेदनशीलता से भी उपजा है। आए दिन होने वाली घटनाएं, समाचारों में आती छेड़छाड़ की खबरें इस भय को और गहरा करती हैं।

इन सबके अलावा शिक्षा को लेकर समाज की प्राथमिकताएँ भी स्पष्ट नहीं हैं। एक लड़का पढ़े तो परिवार का भविष्य बनता है, लेकिन लड़की पढ़े तो शादी की उम्र निकलने का डर पैदा होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह मानसिकता अब भी गहराई से मौजूद है। लड़कियों की शिक्षा को लाभ से ज्यादा खर्च माना जाता है।

अब यदि इन परिस्थितियों में एक बेटी स्कूल छोड़ दे, तो क्या इसमें उसकी गलती है? या यह एक सामूहिक चूक है – व्यवस्था की, समाज की, और हमारी?

इस स्थिति का समाधान केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, ठोस क्रियान्वयन से होगा। सबसे पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि हर गाँव से तीन किलोमीटर के दायरे में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हो। यह बुनियादी शैक्षिक ढांचा हर बच्चे का अधिकार है।

परिवहन की सुविधा उतनी ही जरूरी है जितनी शिक्षक की उपस्थिति। यदि बच्चियाँ स्कूल नहीं पहुँच पाएंगी तो पढ़ेंगी कैसे? सरकार को स्कूल वैन, छात्रा साइकिल योजना या सार्वजनिक परिवहन में स्कूल पास जैसे विकल्प सुनिश्चित करने होंगे।

हर स्कूल में स्वच्छ और उपयोगी शौचालयों की अनिवार्यता केवल स्वच्छ भारत मिशन का हिस्सा नहीं, बल्कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के सच्चे मर्म का आधार होना चाहिए। महिला कर्मचारियों की नियुक्ति, नियमित निरीक्षण और साफ-सफाई के लिए स्थानीय प्रशासन को उत्तरदायी बनाया जाए।

सुरक्षा के लिए प्रत्येक स्कूल में महिला शिक्षकों की उपस्थिति बढ़ाई जाए। सुरक्षा गार्ड, सीसीटीवी कैमरा और स्कूल परिसर में अभिभावकों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाए। यह कदम न केवल बेटियों को सुरक्षा का भरोसा देगा, बल्कि अभिभावकों को मानसिक शांति भी।

इसके साथ ही स्कूलों के भवन और अधोसंरचना को केवल औपचारिकता के लिए नहीं, गुणवत्ता के साथ विकसित किया जाना चाहिए। पुस्तकालय, कंप्यूटर कक्ष, विज्ञान प्रयोगशालाएं, खेल का मैदान – ये सब स्कूल के मानक हिस्से होने चाहिए।

एक और महत्वपूर्ण बिंदु डिजिटल शिक्षा है। महामारी ने दिखा दिया कि जिनके पास मोबाइल, इंटरनेट और बिजली नहीं, वे पढ़ाई से बाहर हो जाते हैं। ग्रामीण स्कूलों में डिजिटल साक्षरता और उपकरण की उपलब्धता अब विलासिता नहीं, अनिवार्यता है।

शिक्षा विभाग को उन लड़कियों की नियमित सूची बनानी चाहिए जो स्कूल छोड़ चुकी हैं। उनके घर जाकर कारण जानना, उन्हें वापस लाने के लिए प्रेरित करना, और माता-पिता को विश्वास में लेना प्रशासन की जिम्मेदारी होनी चाहिए।

साथ ही समाज को भी आत्मावलोकन करना होगा। हम अपनी बेटियों को क्यों पढ़ाना चाहते हैं – नौकरी के लिए, शादी के लिए या आत्मनिर्भरता के लिए? जब तक समाज का जवाब अस्पष्ट रहेगा, तब तक समाधान भी अधूरा रहेगा।

प्रशासन, समाज और परिवार को मिलकर यह जिम्मेदारी लेनी होगी कि कोई भी बच्ची शिक्षा से वंचित न हो। इसका अर्थ है केवल विद्यालय खुलवाना नहीं, बल्कि उसमें बेटी के जाने और टिके रहने की पूरी ज़िम्मेदारी लेना।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अगर केवल बैनर की पंक्ति नहीं रहना है तो इसे पंचायतों, स्कूल समितियों, शिक्षक संगठनों, अभिभावकों और छात्रों के साझा प्रयास में बदलना होगा। तभी एक ऐसा समाज बनेगा, जहाँ कोई भी बेटी पढ़ाई से वंचित नहीं होगी।

एआई की छाया में सोच की समाप्ति?

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज के युग का सबसे बड़ा आविष्कार है। यह मनुष्य की बुद्धि और काम करने के तरीके को बदल देने की शक्ति रखता है। परन्तु हर तकनीक की तरह इसके भी दो पहलू हैं झ एक वह जो सहायता करता है, और दूसरा वह जो धीरे-धीरे आत्मनिर्भरता को समाप्त करता है। आजकल हर व्यक्ति चाहे वह विद्यार्थी हो, शिक्षक हो, लेखक हो, पत्रकार हो या कोई आम नागरिक, अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं का समाधान एआई से ढूंढने लगा है। लेख लिखने से लेकर निबंध, प्रोजेक्ट, उत्तर, कविता, कहानी, विचार, भाषण झ सब कुछ अब एक बटन दबाते ही सामने होता है। यह सुविधाजनक है, समय बचाता है, लेकिन क्या यह हमारे मस्तिष्क को निष्क्रिय नहीं कर रहा?

मनुष्य का मस्तिष्क एक जीवित रचना है। यह उतना ही तेज होता है जितना अधिक उसका प्रयोग किया जाए। जैसे शरीर की मांसपेशियाँ कसरत से मजबूत होती हैं, वैसे ही मस्तिष्क चिंतन, मनन, कल्पना और अनुभव से विकसित होता है। यदि उसे सोचने की आवश्यकता न रहे, तो वह धीरे-धीरे निष्क्रिय हो जाता है।

जब हम हर प्रश्न का उत्तर तैयार रूप में एआई से ले लेते हैं, तो हम सोचने, विश्लेषण करने और नया उत्पन्न करने की शक्ति खोने लगते हैं। यह प्रक्रिया धीरे-धीरे हमारी सृजनात्मकता को कमजोर कर रही है। रचनात्मकता केवल सुंदर शब्दों का मेल नहीं है, वह हमारी आत्मा, अनुभव और भावनाओं की अभिव्यक्ति है। जब हम किसी कविता को आत्मा से लिखते हैं, तब उसमें हमारी पीड़ा, प्रेम, विचार और दृष्टि झलकती है। परन्तु जब वही कार्य मशीन कर देती है, तब शब्द तो होते हैं पर आत्मा नहीं होती।

बच्चों और युवाओं पर इसका प्रभाव और भी गहरा है। आज के छात्र जब अपना गृहकार्य, निबंध या उत्तर एआई से बना रहे हैं, तो वे केवल उत्तर प्राप्त कर रहे हैं, सीख नहीं रहे। वे केवल लिख रहे हैं, सोच नहीं रहे। इसका सीधा प्रभाव उनकी समस्या सुलझाने की क्षमता पर पड़ रहा है। उन्हें तुरंत उत्तर की आदत लग रही है, जबकि जीवन में समस्याएँ जटिल होती हैं, जिनका उत्तर कोई मशीन नहीं दे सकती।

शिक्षकों और लेखकों पर भी इसका असर हो रहा है। अब बहुत से शिक्षक एआई से उत्तर बनवाकर छात्रों को दे रहे हैं। पत्रकार भी समाचारों को एआई से लिखवा रहे हैं। इससे मौलिक सोच, गहराई

और वैचारिक परिपक्वता समाप्त हो रही है। ज्ञान का स्थान सूचना ने ले लिया है, और समझ का स्थान गति ने। लेकिन क्या यह मनुष्य के बौद्धिक पतन की शुरूआत नहीं है?

कुछ लोग कहते हैं कि एआई से सीधे मस्तिष्क के न्यूरॉन नष्ट नहीं होते, परंतु यह सच है कि जब मस्तिष्क का प्रयोग कम होता है, तो उसकी सक्रियता कम हो जाती है। यदि हम सोचने की प्रक्रिया को छोड़ देंगे, तो हमारी स्मृति, एकाग्रता, विश्लेषण और कल्पना की शक्ति अवश्य घटेगी। यह धीरे-धीरे मानसिक आलस्य, निर्भरता और रचनात्मक जड़ता में बदल सकता है।

एक समय था जब छात्र कागज और कलम लेकर बैठते थे, घंटों सोचते थे, मिटाते थे, फिर से लिखते थे, तब जाकर कोई रचना बनती थी। अब केवल एक प्रश्न टाइप करना है और उत्तर मिल जाता है। यह सुविधा है या बौद्धिक गुलामी?

मानव जाति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी सोचने की शक्ति है। हमने भाषा, संस्कृति, विज्ञान, साहित्य, संगीत, कला और धर्म इसी सोच से उत्पन्न किए। यदि यही सोच मशीनों को सौंप दी जाए, तो मनुष्य क्या केवल उपभोक्ता बनकर रह जाएगा?

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विरोध नहीं किया जा सकता, न ही यह आवश्यक है। परन्तु उसका विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है। हमें उसे साधन की तरह अपनाना चाहिए, साध्य की तरह नहीं। एआई को हमें सहायता करने देना चाहिए, परन्तु निर्णय, विवेक और रचना हमें स्वयं करनी चाहिए।

यदि कोई कवि केवल एआई से कविता बनवा रहा है, कोई शिक्षक केवल एआई से पाठ तैयार कर रहा है, कोई छात्र केवल एआई से उत्तर लिख रहा है, तो यह बौद्धिक आत्मसमर्पण है। यह सोचने की क्षमता का धीरे-धीरे खत्म हो जाना है।

हमें चाहिए कि हम एआई का प्रयोग सीमित और बुद्धिमत्तापूर्वक करें। हमें अपनी सोचने की आदत को बनाए रखना चाहिए। सप्ताह में कुछ दिन बिना एआई के काम करें, विचार करें, लिखें, संवाद करें। बच्चों को मौलिक सोच सिखाएं, प्रश्न पूछना सिखाएं, उत्तर खोजने का अभ्यास कराएं।

हमारी रचनात्मकता, हमारी सोच, हमारी भाषा और हमारे विचार हमारी सबसे बड़ी पूँजी हैं। उन्हें मशीनों के हवाले करना आत्मघाती होगा।

कल्पना कीजिए एक ऐसी पीढ़ी की, जो हर विचार, हर उत्तर, हर योजना के लिए एआई पर निर्भर हो। क्या वह पीढ़ी आत्मनिर्भर कहलाएगी? क्या वह सृजन कर सकेगी? क्या उसमें विचारों की आग होगी?

यदि नहीं, तो हमें आज ही रुककर सोचना चाहिए। तकनीक हमारी दासी होनी चाहिए, रानी नहीं।

हम मशीनों से तेज नहीं होंगे, यदि हम खुद सोचना छोड़ देंगे। हम तब ही श्रेष्ठ रहेंगे जब हम अपनी मौलिकता, अपनी रचनात्मकता और अपने चिंतन को जीवित रखेंगे।

आज आवश्यकता है एक नयी दृष्टि की, जो एआई का संतुलित उपयोग करना सिखाए। जो सोचने की संस्कृति को बचाए, जो विचारों की स्वतंत्रता को कायम रखे। वरना वह दिन दूर नहीं जब हम सोचने वाले प्राणी से केवल आदेश देने वाले यंत्र बनकर रह जाएँगे।

हमारे पूर्वजों ने सोचकर सृष्टि रची, हमने लिखकर सभ्यता गढ़ी। अब अगर हमने अपनी लेखनी, अपनी सोच, अपनी कल्पना एआई को सौंप दी, तो भविष्य का इतिहास कौन लिखेगा?

इसलिए हे विचारशील मानव! एआई को प्रयोग करो, पर सोच को समाप्त मत करो। रचना करो, निर्माण करो, कल्पना करो झ क्योंकि मशीनें केवल समर्थन दे सकती हैं, आत्मा नहीं।

शब्दों को सजाना एआई कर सकती है, पर भावनाओं को महसूस करना केवल तुम कर सकते हो।

अंतिम वाक्यः

सोचो, रचो, गढ़ो झ क्योंकि तुम्हारे बिना यह दुनिया केवल सूचना का ढेर बनकर रह जाएगी।

रिश्तों की हत्या का आधुनिक ट्रेंड : नौकरी लगते ही पतियों को छोड़ रही हैं आधुनिक औरतें

डॉ. प्रियंका सौरभ

एक समय था जब पति-पत्नी का रिश्ता त्याग, प्रेम और परस्पर समर्पण का प्रतीक होता था। विवाह सिर्फ सामाजिक अनुबंध नहीं, एक गहरी भावनात्मक और आध्यात्मिक यात्रा मानी जाती थी। लेकिन आज की आधुनिकता, शिक्षा और तथाकथित ह्लअधिकार चेतनाह्व ने इस पवित्र रिश्ते को भी स्वार्थ की भट्ठी में झोंक दिया है। आज देश में तेजी से बढ़ते ऐसे मामलों पर चिंता जाहिर हो रही है जहाँ एक पति सालों मेहनत कर-के, मजदूरी करके अपनी पत्नी को पढ़ाता है, उसके सपनों को पंख देता है, और जैसे ही उसकी सरकारी नौकरी लगती है – वह उसी पति से कहती हैः आप कौन जी?

यह सवाल अकेले एक पुरुष से नहीं पूछा जा रहा, यह सवाल उस समूचे त्याग से पूछा जा रहा है, जो एक रिश्ते को निभाने में लगाया गया था। यह सवाल उस व्यवस्था पर भी है, जिसने शिक्षा को अधिकार तो दिया, मगर ज़िम्मेदारी नहीं सिखाई। यह सवाल कानून से भी है, जिसने स्त्री को संरक्षण तो दिया, पर रिश्तों को निभाने की नैतिकता सिखाने का प्रयास नहीं किया।

आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ एक और विचारधारा ने समाज में गहराई से जड़ें जमा ली हैं – खुद को पहले रखो, रिश्ते बोझ हैं, स्वतंत्रता का अर्थ है किसी भी बंधन से मुक्त होना। यह सोच, विशेषकर महिलाओं को यह सिखा रही है कि विवाह, पति, परिवार केवल एक सामाजिक औपचारिकता हैं, जिन्हें जरूरत पड़ने पर त्यागा जा सकता है। और जब शिक्षा, कानून और समाज का एक वर्ग इस सोच को बढ़ावा देता है, तो परिणाम होता है – घर टूटते हैं, विश्वास बिखरता है और पुरुषों का त्याग मजाक बन जाता है।

एक गरीब पति जिसने ईंटें ढोकर, दिहाड़ी लगाकर अपनी पत्नी को पढ़ाया, उसका फॉर्म भरा, उसकी फीस दी, परीक्षा केंद्र तक छोड़ा, उसके चयन के बाद मिठाई बांटी – वही पति जब दरवाजे पर खड़ा होता

है तो पत्नी कहती है – अब आपकी कोई जरूरत नहीं रही। यह वाक्य सिर्फ शब्द नहीं, यह उस संघर्ष की मौत है जिसमें रिश्ते सांस लेते थे। यह आधुनिकता का वह चेहरा है, जो चमकता तो है, पर भीतर से खोखला है।

बिना किसी कारण, बिना किसी उत्पीड़न के यदि कोई पत्नी केवल नौकरी लगने के बाद पति को अस्वीकार कर दे, तो यह न सशक्तिकरण है, न स्वतंत्रता – यह एक सामाजिक अपराध है। यह उन मूल्यों की हत्या है जो भारतीय समाज की नींव हैं। यहाँ यह स्पष्ट करना जरूरी है कि हम उन स्त्रियों की बात नहीं कर रहे जो वाकई उत्पीड़न झेलती हैं, शोषित होती हैं या जिन्हें बचाव की आवश्यकता है। बात उन मामलों की हो रही है जहाँ कानून और अधिकारों का दुरुपयोग करके एक पत्नी अपने पति को केवल इसलिए छोड़ देती है क्योंकि अब वह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो गई है।

कानून ने महिलाओं को जो संरक्षण दिया है, वह आवश्यक है और होना भी चाहिए, लेकिन वह संरक्षण तभी तक पवित्र है जब तक उसका उपयोग हो, दुरुपयोग नहीं। आज समाज में ऐसी घटनाओं की संख्या बढ़ रही है जहाँ महिलाओं ने झूठे आरोप लगाकर न केवल अपने पतियों को, बल्कि उनके परिवारों को भी जेल भिजवा दिया, मानसिक रूप से प्रताड़ित किया और आर्थिक रूप से तबाह कर दिया। क्या यही है नवीन भारत का पारिवारिक चेहरा? जब एक लड़की कहती है, अब मैं कमाती हूं, मुझे किसी की जरूरत नहीं, तो यह स्वतंत्रता नहीं, आत्ममुग्धता है। क्या आत्मनिर्भरता का अर्थ यह है कि रिश्तों को छोड़ दिया जाए? क्या नौकरी लगते ही प्रेम और त्याग की कीमत शून्य हो जाती है? क्यों नहीं यह समझाया जाता कि सशक्त स्त्री वह है जो अपनी उड़ान में भी अपने घोंसले को संजोकर रखे, न कि उड़ते ही उसे जला दे?

शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी पाना नहीं, बल्कि सोच में परिपक्वता लाना है। दुर्भाग्यवश आज की पढ़ाई ने यह परिपक्वता नहीं दी, बल्कि कई मामलों में आत्मकेंद्रित सोच को जन्म दिया है। आत्मनिर्भरता अगर स्वार्थ में बदल जाए, तो वह समाज के लिए एक खतरा बन जाती है। पढ़ाई के बाद यदि स्त्री अपने रिश्तों से पलायन करती है, तो यह प्रश्नचिन्ह है उस शिक्षा पर, उस सोच पर, और उस कानून पर जो उसे यह करने की छूट देते हैं।

कई बार जब पत्नी पति को छोड़ती है, तब समाज चुप रहता है। महिलाएं इसे अपना अधिकार मानती हैं, और पुरुषों के पास बोलने तक की जगह नहीं होती। अगर कोई पति यह कह दे कि मैंने उसे पढ़ाया, बढ़ाया, उसका करियर बनाया, तो उसे कहा जाता है कि उसने तुम्हारे ऊपर कोई एहसान नहीं किया, वह अब स्वतंत्र है। लेकिन जब कोई स्त्री अपने पति के बलिदान से आगे बढ़ती है, तो क्या उस त्याग की कोई कीमत नहीं होती? क्या उसकी कोई भावनात्मक मान्यता नहीं?

यह मानसिकता अब अदालतों तक पहुँच चुकी है। न्यायालयों में ऐसे हजारों केस लंबित हैं जहाँ पुरुष अपने वैवाहिक अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं, अपने बच्चों से मिलने के लिए तरस रहे हैं, और वर्षों तक एक ऐसे रिश्ते का बोझ ढो रहे हैं जो केवल कागज पर बचा है। वे न तलाक ले सकते हैं, न नया जीवन शुरू कर सकते हैं, और न ही समाज उनकी पीड़ा समझता है।

कई मामलों में तो पढ़ी-लिखी स्त्रियाँ बाहर से प्रेम संबंध जोड़ लेती हैं, पति से दूरी बना लेती हैं, और फिर कानूनी सुरक्षा के पीछे छिप जाती हैं। जब ऐसे मामलों पर कोई प्रश्न उठाता है, तो उसे महिला विरोधी, संकीर्ण सोच वाला या पितृसत्तात्मक कहा जाता है। लेकिन क्या एक समाज को इतना भी अधिकार नहीं कि वह रिश्तों की रक्षा करने वाले पुरुष की आवाज को सुने?

यदि यही मानसिकता चलती रही, तो आने वाले वर्षों में विवाह संस्था ही खोखली हो जाएगी। पुरुष विवाह से डरेंगे, परिवार टूटेंगे, और समाज में अविश्वास की दीवारें खड़ी होंगी। स्त्रियों को यह समझना होगा कि वे केवल नौकरी पाने के लिए नहीं, बल्कि रिश्तों को निभाने के लिए भी उत्तरदायी हैं। जब कोई पति आपकी फीस भरता है, कोचिंग लगवाता है, हौसला देता है, तब वह केवल पति नहीं, एक मार्गदर्शक, एक सहायक, एक संरक्षक बनता है। और जब आप सफलता पाकर उसे छोड़ देती हैं, तो आप सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, बल्कि विश्वास को ठुकरा देती हैं।

यह समाज अब और अधिक झूठे केस, दिखावटी आजादी और स्वार्थ की आड़ में तोड़े गए रिश्ते नहीं झेल सकता। अब वक्त आ गया है कि शिक्षा में नैतिक मूल्य जोड़ें, कानूनों में संतुलन लाएं, और समाज में यह संदेश दें कि सशक्तिकरण का अर्थ जिम्मेदारी से भागना नहीं, बल्कि उसे ईमानदारी से निभाना है।

रिश्तों में अधिकार जितने जरूरी हैं, उतने ही जरूरी हैं कर्तव्य। सच्चा सशक्तिकरण वही है जो रिश्तों को तोड़े नहीं, उन्हें और मजबूत करे। क्योंकि अगर नौकरी लगते ही कोई पत्नी अपने पति को कहे – आप कौन? – तो यह केवल पति की नहीं, पूरे समाज की हार है।

टैरिफ वार से अमेरिका का ही नुकसान कर रहे हैं ट्रंप

अशोक मधुप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ को सात दिन के लिए टाल दिया है। ये एक अगस्त से लागू होना था, जो अब सात अगस्त से लागू होगा।

ट्रम्प ने 92 देशों पर नए टैरिफ की लिस्ट जारी की है। इसमें भारत पर 25 प्रतिशत और पाकिस्तान पर 19 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। हालांकि, कनाडा पर एक अगस्त से ही 35 प्रतिशत टैरिफ लागू हो गया है।

साउथ एशिया में सबसे कम टैरिफ पाकिस्तान पर लगा है। अमेरिका ने पहले पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत टैरिफ लगा रखा था।वहीं दुनियाभर में सबसे ज्यादा 41 प्रतिशत टैरिफ सीरिया पर लगाया गया है। इस लिस्ट में चीन का नाम शामिल नहीं है।

ट्रम्प ने दो अप्रैल को दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, लेकिन सात दिन बाद ही इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया था। कुछ दिनों बाद ट्रम्प ने 31 जुलाई तक का समय दिया था।इसके बाद ट्रम्प सरकार ने 90 दिनों में 90 सौदे कराने का टारगेट रखा था। हालांकि, अमेरिका का अब तक सिर्फ सात देशों से समझौता हो पाया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। साथ ही रूस से तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त जुमार्ना लगाने की भी बात कही है। जानकारों का कहना है कि उनके इस कदम से भारत की ग्रोथ पर ज्यादा असर नहीं होगा। एसबीआई रिसर्च ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय एक्सपोर्ट्स पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का असर अमेरिका के लिए भारत से ज्यादा बुरा होगा। अमेरिका को कम जीडीपी, ज्यादा महंगाई और डॉलर के कमजोर होने का सामना करना पड़ सकता है। एसबीआई रिसर्च ने इस टैरिफ को ह्यबुरा बिजनेस फैसलाह्ल बताया।

एसबीआई रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत के मुकाबले अमेरिका की डीजीपी , महंगाई और करंसी के नीचे जाने का ज्यादा रिस्क है। रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा ट्रेड वार के आर्थिक नतीजों को देखें तो यह अचरज की बात नहीं है कि अमेरिका पर भारत के मुकाबले अधिक बुरा असर पड़ेगा। रिसर्च ने बताया कि अमेरिका में फिर से महंगाई का दबाव दिखना शुरू हो गया है।

अनुमान है कि अमेरिका में महंगाई 2026 तक दो प्रतिशत के तय टारगेट से ऊपर ही रहेगी। ऐसा टैरिफ के सप्लाई-साइड इफेक्ट्स और एक्सचेंज रेट में बदलाव की वजह से होगा। एसबीआई रिसर्च ने बताया कि शॉर्ट-टर्म में अमेरिकी टैरिफ की वजह से एक औसत अमेरिकी घर पर करीब 2,400 डॉलर का बोझ पड़ने का अनुमान है। वजह, टैरिफ से बढ़ने वाली महंगाई के कारण कीमतें बढ़ना है।

अमेरिकी अर्थशास्त्रियों ने चेताया है कि गर्मियों के मौसम तक अमेरिका की सभी सहयोगी व्यापार साझेदार देशों से मतभेदों का असर दिखने लगेगा और नियुक्तियों में कमी खतरे की घंटी है। ग्लासडूर के मुख्य अर्थशास्त्री डेनियल झाओ ने कहा कि मंदी आ नहीं रही है बल्कि आ चुकी है।अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापार एजेंडा का असर दिखने लगा है और रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका मंदी की चपेट में आता दिख रहा है। अमेरिकी कंपनियां कर्मचारियों की नियुक्तियां घटा रही हैं। अमेरिकी श्रम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी नियोक्ताओं ने बीते महीने 73 हजार नौकरियां दीं। यह अनुमान के 1,15,000 से काफी कम हैं।मई और जून में 2,58,000 कर्मचारियों की छंटनी हुई और बेरोजगारी दर बढ़कर 4.2% हो गई । अमेरिका में बेरोजगारों की संख्या में 2,21,000 की बढ़ोतरी हुई। बीएमओ कैपिटल मार्केट्स के मुख्य अर्थशास्त्री स्कॉट एंडरसन ने कहा, ह्यअमेरिकी श्रम बाजार की स्थितियों में उल्लेखनीय गिरावट आ रही है। हम टैरिफ और व्यापार युद्ध शुरू होने और अधिक प्रतिबंधात्मक आव्रजन नीति के बाद से ही अर्थव्यवस्था में मंदी का अनुमान लगा रहे थे। श्रम विभाग की रिपोर्ट श्रम बाजार के लिए एक मुश्किल हालात का सबूत है।

ह्लअमेरिकी अर्थशास्त्रियों ने चेताया है कि गर्मियों के मौसम तक अमेरिका की सभी सहयोगी व्यापार साझेदार देशों से मतभेदों का असर दिखने लगेगा और नियुक्तियों में कमी खतरे की घंटी है। ग्लासडूर के मुख्य अर्थशास्त्री डेनियल झाओ ने कहा कि मंदी आ नहीं रही है बल्कि आ चुकी है। शुक्रवार को अमेरिकी शेयर बाजार में भी गिरावट दिखाई दी। राष्ट्रपति ट्रंप ने श्रम विभाग द्वारा जारी आंकड़ों को खारिज कर दिया है। इतना ही नहीं उन्होंने श्रम विभाग की निदेशक एरिका मेकएंटरफेर को भी पद से हटाने के निर्देश दिए हैं। एरिका की नियुक्ति पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में हुई थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने कई देशों पर टैरिफ लगा दिए हैं। ट्रंप प्रशासन को उम्मीद है कि टैरिफ से मैन्यफैक्चरिंग सेक्टर अमेरिका में फिर से मजबूत होगा। हालांकि अर्थशास्त्रियों का मानना है कि टैरिफ का असर अमेरिकी जनता पर ही सबसे ज्यादा पड़ेगा।भारत और अमेरिका के बीच लगभग 130 अरब डॉलर का व्यापार होता है। अमेरिका भारत से लगभग 87 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है वहीं, भारत अमेरिका से मात्र 41.8 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है। अब अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद, यह सवाल उठ रहा है कि इसका क्या असर होगा। भारत से सबसे अधिक इलेक्ट्रॉनिक और आईटी सेक्टर में बनने वाले उत्पादों को अमेरिका भेजा जाता है।

कम उम्र में लोग हो रहे अंधेपन का शिकार, एक्सपर्ट्स ने बताए ये कारण

आंखों की रोशनी को बचाना आजकल बेहद जरूरी है. क्योंकि जिसतेजी से स्क्रीन्स हमारे लाइफ में एंटर कर रहे हैं, आंखों को नुकसान होना लाजिमी है. कॉर्नियल ब्लाइंडनेस, जिसे कभी केवल बुजुर्गों तक सीमित माना जाता था, अब भारत के युवाओं के लिए एक बड़ा खतरा बनकर उभर रहा है. अंधेपन का यह गंभीर रोग, लेकिन काफी हद तक रोकथाम योग्य कारण देश भर के किशोरों और युवा वयस्कों में तेजी से बढ़ रहा है.

हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ कॉर्निया एंड केराटो-रिफ्रैक्टिव सर्जन्स (करउङफर) सम्मेलन 2025 में इस चिंताजनक हाताल पर प्रकाश डाला गया. इस बड़े सम्मेलन में जहां देशभर के जाने-माने नेत्र विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि भारत में अब कॉर्नियल ब्लाइंडनेस यानी आंख की पुतली से जुड़ा अंधापन, तेजी से युवाओं को अपनी चपेट में ले रहा है. ये वो बीमारी है जिसे पहले बुजुर्गों की समस्या माना जाता था, लेकिन अब 30 साल से कम उम्र के लड़के-लड़कियां भी इसकी चपेट में आने लगे हैं.

नई दिल्ली में हुए इंडियन सोसाइटी ऑफ कॉर्निया एंड केराटो-रिफ्रैक्टिव सर्जन्स (करउङफर) के राष्ट्रीय सम्मेलन 2025 में ये बड़ा खुलासा हुआ. एम्स दिल्ली के प्रोफेसर डॉ. राजेश सिन्हा ने बताया कि हर साल 20,000 से 25,000 नए केस सामने आते हैं और चिंता की बात ये है कि इनमें बहुत बड़ी संख्या युवा लोगों की है. वे कहते हैं कि ऐसी स्थिति बन गई है जहां एक मामूली सी आंख की चोट, लालिमा, जलन या संक्रमण अगर समय पर न दिखाया जाए तो इंसान की रोशनी तक जा सकती है. और दुख की बात ये है कि ज्यादातर मामलों में ये ब्लाइंडनेस पूरी तरह रोकी जा सकती है.

कब होता है कॉर्नियल ब्लाइंडनेस

कॉर्नियल ब्लाइंडनेस तब होता है जब आंख का पारदर्शी हिस्सा यानी कॉर्निया किसी चोट, संक्रमण या पोषण की कमी से खराब हो जाता है. खासकर गांवों में, खेतों में काम करने वाले या फैक्ट्रियों में शारीरिक मेहनत करने वाले युवा लड़के-लड़कियां अक्सर आंखों में चोट लगा बैठते हैं. लेकिन इलाज की बजाय वे घरेलू नुस्खों पर भरोसा करते हैं. यहीं से शुरू होती है दिक्कत. संक्रमण बढ़ता है, कॉर्निया खराब होता है और धीरे-धीरे नजर हमेशा के लिए चली जाती है.

किस वजह से हो रहा है कॉर्नियल ब्लाइंडनेस

एक और बड़ी वजह है विटामिन अ की कमी, जो बच्चों और किशोरों में अब भी आम है. इसके अलावा, गांवों और कस्बों में अब भी लोगों को आंखों की शुरूआती जांच, समय पर इलाज और जानकारी का अभाव है. डॉ. इकेदा लाल, जो दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में नेत्र विशेषज्ञ हैं कहती हैं कि ये बेहद दुखद है कि साल 2025 में भी हम हजारों युवा आंखें बचा नहीं पा रहे हैं. जबकि इसका इलाज और बचाव दोनों मुमकिन हैं.

भारत में हर साल 1 लाख कॉर्नियल ट्रांसप्लांट की जरूरत होती है, लेकिन अभी सिर्फ 40,000 ही हो पाते हैं. डोनर की कमी, अच्छे सर्जन न होना और बेहतर नेत्र बैंक का अभाव बड़ी समस्या है. इसलिए अब जरूरत है कि देशभर में आंखों की सेहत को लेकर जन-जागरूकता फैलाई जाए, स्कूलों में नियमित नेत्र जांच हो, युवाओं को सेफ्टी गियर मिले और हर इंसान नेत्रदान के लिए प्रेरित हो.

पिछले 24 घंटे में 119 मौतें, 866 घायलः गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट

एजेंसी

गाजा सिटी। गाजा में इजराइली हमलों के बीच मानवीय संकट लगातार गहराता जा रहा है। फिलीस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी दी है कि बीते 24 घंटे के भीतर 119 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से 15 शव मलबे के नीचे से बरामद किए गए। इस अवधि में गाजा के विभिन्न अस्पतालों में 866 घायलों को भर्ती कराया गया है। मंत्रालय ने बताया कि कई घायलों तक अब भी आपातकालीन टीमें नहीं पहुंच पाई हैं, क्योंकि वे मलबे या सड़कों पर फंसे हुए हैं। युद्ध शुरू होने से अब तक (7 अक्टूबर 2023 से अब तक) के आंकड़ों में कुछ मृतकों की संख्या 60,839 है। जबकि 1,49,588 लोग घायल हुए हैं। 18 मार्च 2024 से ही अब तक में 9,350 मौतें हुई और 37,547 घायल हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटों में मारे गए 119 लोगों में से 65 लोग मानवीय सहायता पाने की कोशिश कर रहे थे। इस तरह युद्ध शुरू होने से अब तक कुल 1,487 लोगों की मौत इसी वजह से हो चुकी है, जबकि 10,578 से अधिक लोग घायल हुए हैं। गाजा में लगातार जारी बमबारी और युद्ध की स्थिति के चलते चिकित्सा सेवाएं भी गंभीर रूप से प्रभावित हैं। मलबे में दबे और सड़कों पर पड़े घायल लोगों तक सहायता पहुंचा पाना मुश्किल हो गया है। स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है और स्थानीय तथा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां हालात को संभालने के लिए तत्काल मानवीय राहत की मांग कर रही हैं।

सीरिया में फिर भड़की हिंसा, अंतरिम सरकार के सामने बढ़ी चुनौती

दमिश्क। सीरिया में सुबह तक दो अलग-अलग इलाकों में हिंसा भड़क उठी, जिससे संघर्षविराम खतरे में पड़ गया है और पूरे देश में नियंत्रण स्थापित करने की अंतरिम सरकार की क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। उत्तर सीरिया में, सरकार-समर्थक लड़ाकों और कुर्द नेतृत्व वाली सेनाओं के बीच झड़प हुई। कुर्द बल वर्तमान में इस क्षेत्र के बड़े हिस्से पर नियंत्रण रखते हैं। वहीं, दक्षिणी प्रांत स्वैदा में सरकारी बलों और ड्रूज सशस्त्र समूहों के बीच टकराव हुआ। ये घटनाएं ऐसे समय में हुई हैं जब अंतरिम प्रशासन स्वैदा प्रांत में पिछले महीने द्रूज़ गुटों के साथ हुई हिंसक झड़पों के बाद संघर्षविराम बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। इसके अलावा, सरकार अमेरिकी समर्थन प्राप्त कुर्द नेतृत्व वाले सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज (एसडीएफ) के साथ एक समझौते को लागू करने में जुटी है, जिसके तहत उत्तर-पूर्वी सीरिया के बड़े हिस्सों को फिर से देश के बाकी हिस्सों के साथ जोड़ा जाना है। इन ताजा झड़पों से न केवल राजनीतिक स्थिरता की कोशिशों पर असर पड़ेगा, बल्कि देश में पहले से मौजूद जातीय और राजनीतिक तनाव भी और गहराने की आशंका है।

तूफान फ्लोरिस को लेकर ब्रिटेन में गंभीर चेतावनी जारी, स्कॉटलैंड के लिए 'एम्बर' अलर्ट

लंदन। यूनाइटेड किंगडम में सोमवार को आने वाले तूफान फ्लोरिस (स्टॉर्म फ्लोरिस) को लेकर मौसम विभाग ने गंभीर चेतावनी जारी की है। स्कॉटलैंड के लिए 'येलो' चेतावनी को बढ़ाकर 'एम्बर' अलर्ट में बदल दिया गया है। मौसम विभाग ने चेताया है कि यह तूफान जान और माल के लिए खतरा पैदा कर सकता है। तूफान फ्लोरिस के सोमवार सुबह यूके के तटीय इलाकों से टकराने की आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार, समुद्री लहरों और समुद्र तटों से उड़ते मलबे के कारण चोटें लगने और जान को खतरा होने की आशंका है। मौसम विभाग ने फ्लोरिस के कहर का अनुमान लगाते हुए स्कॉटलैंड में 10 बजे से रात 10 बजे तक एम्बर अलर्ट जारी रहेगा। वहीं उत्तरी आयरलैंड और उत्तरी इंग्लैंड में सुबह छह बजे से आधी रात तक येलो अलर्ट प्रभावी रहेगा। मुख्य मौसम विज्ञानी मैथ्यू लेनहर्ट ने बताया है कि स्कॉटलैंड में पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी दिशा से असामान्य रूप से तेज हवाएं चल सकती हैं। ऐसे में इनलैंड इलाकों (समुद्र से दूर या शहर के आंतरिक भाग) में 40 से 50 मील प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। वहीं पर्वतीय और तटीय इलाकों में हवाओं की रफ्तार 60 से 70 मील प्रति घंटा हो सकती है इसके अलावा पश्चिम से भारी बारिश की संभावना है, जो सबसे पहले आयरलैंड को प्रभावित करेगी और फिर स्कॉटलैंड, उत्तरी वेल्स और उत्तरी इंग्लैंड तक पहुंचेगी। हाईलैंड्स और लेक डिस्ट्रिक्ट जैसे क्षेत्रों में एक घंटे में 16 से 32 मिमी तक वर्षा हो सकती है।

नेपाल सरकार बहु विवाह को कानूनी मान्यता देने की तैयारी में, संसद में प्रस्ताव पेश

काठमांडू। नेपाल के विवाह कानून में संशोधन करते हुए विशेष परिस्थिति में बहु विवाह को मान्यता देने की तैयारी की गई है। इसके लिए सरकार ने कानून में संशोधन करने का प्रस्ताव संसद में पेश किया है। सरकार के इस कदम का कई महिला संगठनों ने अभी से विरोध शुरू कर दिया है। नेपाल की संसद में विवाह कानून में संशोधन का प्रस्ताव करते हुए विशेष परिस्थिति में बहु विवाह को मान्यता देने की बात का उल्लेख किया गया है। कानून मंत्री अजय कुमार चौरसिया ने कहा कि बहु विवाह सिर्फ उन परिस्थितियों में मान्य होगा, जिससे विवाहेत्तर संबंध के कारण बच्चे का जन्म होने पर उस बच्चे के भविष्य की सुरक्षा को मान्यता दी जा सके। नए प्रस्तावित कानून के मुताबिक यदि किसी शादीशुदा पुरुष या महिला का किसी अन्य महिला या पुरुष के साथ संबंध बनाने पर यदि गर्भ ठहरता है।

यमन के दक्षिणी प्रांत में 157 लोगों को लेकर जा रही नाव डूबी, 75 की मौत

एजेंसी

सना। यमन के दक्षिणी प्रांत अबयान के तट पर रविवार को खराब मौसम के दौरान लगभग 157 लोगों को ले जा रही एक नाव डूब गई। खोज एवं बचाव दल में शामिल गोताखोरों ने अब तक 75 शव निकाले हैं। बाकी लोगों की तलाश की जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) के यमन प्रमुख ने पहले इस दुर्घटना में कम से कम 68 प्रवासियों की मौत की सूचना दी थी। वैश्विक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आईओएम के यमन प्रमुख ने कहा था कि 68 लोगों की मौत हो गई है और 12 लोगों को बचा लिया गया है, लेकिन दर्जनों लोग लापता हैं। अधिकतर पीड़ित इथियोपियाई नागरिक बताए जा रहे हैं। सनद रहे अफ्रीकी खाड़ी देशों में काम की तलाश में आने वाले प्रवासियों के लिए यमन प्रमुख मार्ग है। आईओएम

का अनुमान है कि हाल के महीनों में जहाज और नावों के डूबने से सैकड़ों लोग मारे गए या लापता हो गए। इस बीच, यमन के सुरक्षा अधिकारियों ने सोमवार को कुछ वैश्विक संचार माध्यमों को बताया कि इस नौका दुर्घटना में कम से कम 76 लोगों की मौत हो गई है और दर्जनों लोग लापता हैं। अदन की खाड़ी में जहाज के मलबे से 76 शव बरामद किए गए हैं और 32 लोगों को बचा लिया गया हैं। संयुक्त राष्ट्र की प्रवासन एजेंसी ने बताया कि नाव पर 157 लोग सवार थे। इस बीच अमन के सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि बड़ा खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया है। तट के एक बड़े हिस्से से कई शव मिले हैं। आईओएम यमन प्रमुख अब्दुसत्तोर एसोव ने कहा कि नाव विशाल तटीय क्षेत्र में एक खतरनाक रास्ते पर थी। इस रास्ते का इस्तेमाल अकसर मानव तस्कर करते हैं। एसोव ने तस्करों के शोषण से बचने के लिए प्रवासियों के लिए कानूनी सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के महत्व पर भी जोर दिया है। आईओएम का कहना है कि मार्च में 180 से ज्यादा प्रवासियों को ले जा रही दो नावें यमन के धुबाब जिले के तट पर डूब गई थीं। इन लोगों में से केवल चालक दल के दो सदस्यों को ही बचाया जा सका था।

बलोचों की मर्ज़ी के बिना कोई नहीं ले पाएगा बलोचिस्तान के संसाधन : फ्री बलोचिस्तान मूवमेंट

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान से बलोचिस्तान की आज़ादी की जद्दोजहद कर रहे बलोचिस्तान मुक्ति आंदोलन ने स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद एक स्वतंत्र देश के रूप में अपने स्वरूप, शासन प्रणाली एवं सामाजिक व्यवस्था को लेकर पूरी योजना तैयार कर ली है और वैश्विक शक्तियों को संदेश दिया है कि वे बलोचिस्तान के संसाधनों को साझा करने के लिए पाकिस्तान का रास्ता अख्तियार नहीं करें। फ्री बलोचिस्तान मूवमेंट के कार्यकर्ता मीर यार बलोच ने हिन्दुस्थान समाचार के साथ वर्चुअल बातचीत में बलोचिस्तान की स्वतंत्रता का घोषणापत्र एवं संविधान के खाका को भी साझा किया। इसमें कहा गया है कि बलोचिस्तान एक सेकुलर देश होगा जिसमें मजहब या धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होगा और हर नागरिक को स्वेच्छा से किसी भी धर्म या मजहब का पालन करने का अधिकार होगा। सभी नागरिकों को समान अधिकार होंगे। दस्तावेज़ में कहा गया है कि देश की शासन प्रणाली लोकतांत्रिक होगी और बलोचिस्तान की राष्ट्रीय सेना का काम केवल देश की सीमाओं की रक्षा करना होगा और सेना में सेवारत हर अधिकारी या सैनिक के लिए किसी भी व्यावसायिक गतिविधि में भाग लेना वर्जित होगा। मिडिल ईस्ट मीडिया रिसर्च इंस्टीट्यूट (मेमरी) में बलोचिस्तान स्टडीज़ प्रोजेक्ट के सलाहकार मीर यार बलोच के अनुसार बलोचिस्तान का सपना हकीकत से बहुत दूर नहीं है। बलोचिस्तान लिबरेशन चार्टर में जिस स्वतंत्र बलोचिस्तान का मानचित्र साझा किया गया है।

पाकिस्तान के सिंध में अपराधों में शामिल 10 थाना प्रभारी निलंबित

एजेंसी

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में 10 थानाध्यक्षों (एसएचओ) को अपराधों में संलिप्त होने के कारण निलंबित कर दिया गया। सिंध पुलिस के महानिरीक्षक (आईजी) के निर्देश पर निलंबन और पदावनत की गाज हैदराबाद, कराची, संघार, कंबर शाहदादकोट, सुक्कुर और शिकारपुर थाना समेत 10 एसएचओ पर गिरी है। इन सभी पर सामाजिक अपराधों में लिप्त होने के अलावा कदाचार जैसे गंभीर आरोप हैं। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के अनुसार निलंबित थानाध्यक्षों को कराची के गार्डन स्थित पुलिस मुख्यालय में बी-कंपनी में रिपोर्ट करने का आदेश दिया गया है। बी-कंपनी पुलिस की अनुशासनात्मक इकाई है। यहां काली सूची में डाले गए या निलंबित किए गए कर्मियों को प्रतिदिन आठ घंटे निष्क्रिय रहने के लिए नियुक्त किया जाता है। पुलिस की भाषा में इस सेल को काला पानी या आंतरिक निर्वासन कहा जाता है। डीआईजी (स्थापना) नईम अहमद शेख के आदेश के

अनुसार हैदराबाद के ए-सेक्शन लतीफाबाद पुलिस स्टेशन के एसएचओ जाहिद सिराज को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही उन्हें सब-इंस्पेक्टर (एसआई) के पद पर पदावनत कर दिया गया है। उन्हें बी-कंपनी में रिपोर्ट करने का भी निर्देश दिया गया है। शेष नौ एसएचओ में से छह कराची के विभिन्न पुलिस थानों से हैं, जबकि एक कंबर शाहदादकोट, एक सुक्कुर और एक शिकारपुर जिलों से संबंधित हैं। पदावनत किए गए अधिकारियों में छह इंस्पेक्टर को एसआई के पद पर पदावनत किया गया है। तीन एसआईए को सहायक एएसआई और एक एएसआई को हेड कांस्टेबल के पद पर पदावनत किया गया है।

प्रधानमंत्री ओली ने नेपाल में राजतंत्र की वापसी के दिल्ली समझौते को ऐतिहासिक भूल बताया

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने नेपाल में राजतंत्र की वापसी के लिए दिल्ली में हुए समझौते को ऐतिहासिक भूल बताया है। उन्होंने कहा कि उस समझौते के बाद ही नेपाल में 56 सालों तक राजतंत्र कायम रहा और देश की जनता को दुख सहना पड़ा। काठमांडू में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि विक्रम संवत 2007 में जब नेपाल के तत्कालीन राजा त्रिभुवन देश छोड़ कर भारत में शरण ली थी, उसी समय उनको नेपाल में लाकर स्थापित करना गलत था। ओली ने कहा कि उस समय दोबारा नेपाल बुलाकर नेपाल में स्थापित किए गए राजतंत्र के कारण नेपाल की जनता को 56 वर्ष तक राजतंत्र के अधीन रहना पड़ा। प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि हालांकि, यह गलती हमारे पूर्वजों ने की थी, लेकिन वह लोकतंत्र की दृष्टि से एक ऐतिहासिक भूल साबित हुई। उन्होंने कहा कि विक्रम संवत 2063 तक नेपाल की जनता पर शाह राजवंश का शासन रहा, जिसे

नेपाली जनता के संघर्ष के बाद हटाया गया। ओली ने कहा कि अब दोबारा नेपाल में राजतंत्र की स्थापना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि ज्ञानेन्द्र नेपाल के असली राजा नहीं हैं, बस बदली हुई परिस्थिति के कारण ज्ञानेन्द्र शाह को राजा मानने पर हम मजबूर हुए। प्रधानमंत्री ने कहा कि जो गलतियां हमारे पूर्वजों ने की थी, वही गलती हम नहीं करने वाले हैं और न हमारी आने वाली पीढ़ी कर सकती है। नेपाल में असली राजवंश का विनाश हो चुका है और किसी को भी राजा मानना अब हमारी मजबूरी नहीं है।

बलूच राजी आजोई संगर ने पाकिस्तान सेना के मुख्य शिविर पर हमले की जिम्मेदारी ली, 22 सैनिकों को मारने का दावा किया

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में 'स्वतंत्रता समर्थक' सशस्त्र समूहों के प्रमुख गठबंधन बलूच राजी आजोई संगर (बीआरएएस) ने रविवार को पंजगुर के मतिन गोरान इलाके में पाकिस्तान सेना के मुख्य शिविर पर हमले की जिम्मेदारी ली। बीआरएएस ने दावा किया कि पाकिस्तान सेना के मुख्य शिविर में उसके हमले में कम से कम 22 सैन्यकर्मी मारे गए और कैप्टन ओसामा सहित 14 से अधिक घायल हो गए। द बलूचिस्तान पोस्ट की खबर के अनुसार, बीआरएएस के प्रवक्ता बलूच खान ने बयान में कहा कि शुक्रवार शाम लगभग 6 बजे लड़ाकों ने गोरान में 91 विंग के केंद्रीय शिविर और उससे सटी चौकियों पर तीन तरफ से हमला किया। पाकिस्तान की सेना से लड़ाकों का यहां संघर्ष दो घंटे तक चला। इस दौरान बीआरएएस के लड़ाकों ने दो प्रमुख चौकियों और

शिविर के एक बड़े हिस्से पर नियंत्रण हासिल कर लिया। इस हमले में पाकिस्तान सेना को भारी नुकसान हुआ। लड़ाकों ने हथियार, गोला-बारूद और कलाश्निकोव, जी 3 राइफलें, मशीन गन, नाइट विजन डिवाइस और थर्मल स्कैनर सहित अन्य उपकरण छीन लिए। बीआरएएस प्रवक्ता ने कहा कि उसकी इकाइयों ने अतिरिक्त सैन्य बल को रोकने के लिए सीपीईसी मार्ग को दो जगहों पर अवरुद्ध कर दिया। पाकिस्तान सेना घेरे गए अपने सैनिकों की मदद करने में विफल रही। बयान में कहा गया कि लड़ाकों ने निगरानी कैमरे नष्ट कर दिए। इससे दुश्मन के खुफिया ढांचे को और नुकसान पहुंचा। संगठन ने दावा किया कि एक कब्जे वाली चौकी पर तीन सैन्यकर्मियों को घेर लिया गया था। अग्रिम पंक्ति के लड़ाके अमीर उर्फ बाबा ने सैनिकों को बिना खूनखराबे के आत्मसमर्पण के लिए मनाने की कोशिश की। इस दौरान उन्हें पीछे से गोली मार दी गई। इससे उनकी मौत हो गई। यह घमासान रविवार तक चला। बीआरएएस के लड़ाकों ने पाकिस्तान सेना के कम से कम 22 सैन्यकर्मियों को ढेर कर दिया। हमले में कैप्टन ओसामा सहित 14 से अधिक घायल हो गए। प्रवक्ता के अनुसार, केच के होशाब इलाके के उर्ज मोहम्मद बाजार निवासी और आसमी के बेटे अमीर, 2014 में बलूच लिबरेशन आर्मी में शामिल हुए और शहरी और पहाड़ी दोनों इकाइयों में सेवा की।

रूस के सुदूर पूर्व में सैकड़ों वर्षों बाद ज्वालामुखी विस्फोट, 8.8 तीव्रता के भूकंप के कुछ दिन बाद फटा क्राशेनीन्निकोव

एजेंसी

मॉस्को/कामचटका। रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र कामचटका प्रायद्वीप पर स्थित क्राशेनीन्निकोव ज्वालामुखी में रविवार को अचानक विस्फोट हुआ। वैज्ञानिकों के अनुसार यह ज्वालामुखी करीब 600 वर्षों में पहली बार फटा है। विस्फोट कुछ ही दिन पहले आए 8.8 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप के बाद हुआ, जिसने पूरे प्रशांत क्षेत्र को प्रभावित किया था।कामचटका के क्रोनोत्स्की रिजर्व के कर्मचारियों ने बताया कि विस्फोट के दौरान ज्वालामुखी से 6 किलोमीटर (करीब 3.7 मील) ऊंचा राख का गुबार उठा, जो पूर्व दिशा में प्रशांत महासागर की ओर फैल गया। राज्य मीडिया द्वारा जारी तस्वीरों में घना राख का बादल ज्वालामुखी के ऊपर मंडराता दिखाई दिया। कामचटका आपातकाल मंत्रालय ने टेलीग्राम पर जानकारी दी कि राख के फैलाव के रास्ते में कोई आबादी वाला क्षेत्र नहीं है और अब तक किसी बस्ती में राख गिरने की सूचना नहीं मिली है। विस्फोट के दौरान क्षेत्र में 7.0 तीव्रता का भूकंप भी दर्ज किया गया, जिससे कामचटका के तीन इलाकों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी करनी पड़ी। हालांकि बाद में रूस के आपात सेवा मंत्रालय ने चेतावनी हटा दी। कामचटका वोल्कैनिक इरप्शन रेस्पॉन्स टीम की प्रमुख ओल्गा गिरिना ने राज्य समाचार एजेंसी को बताया, ÷यह क्राशेनीन्निकोव ज्वालामुखी का 600 वर्षों में पहला ऐतिहासिक रूप से पुष्टि किया गया विस्फोट है। हालांकि, अमेरिका स्थित स्मिथसोनियन ग्लोबल वोल्केनिज्म प्रोग्राम के अनुसार इस ज्वालामुखी का आखिरी विस्फोट वर्ष 1550 में हुआ था, यानी करीब 475 वर्ष पहले।

बलूचिस्तान में नाबालिग छात्र के खिलाफ आतंकवाद का मामला, सीटीडी की तीखी आलोचना, अदालत ने जमानत दी

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान से आजादी की मांग कर रहे प्रांत बलूचिस्तान में सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करने पर एक नाबालिग छात्र को 'आतंकवाद' के केस का सामना करना पड़ रहा है। यह मामला प्रांत के केच जिले के तुर्बत इलाके का है। फिलहाल तुर्बत की आतंकवाद-रोधी अदालत ने शनिवार को इस नाबालिग छात्र को जमानत दे दी। द बलूचिस्तान पोस्ट ने आज इस घटनाचक्र पर खबर प्रसारित की है। इस खबर के अनुसार, आतंकवाद-रोधी विभाग (सीटीडी) मकरान ने एक मानवाधिकार कार्यकर्ता का भाषण सोशल मीडिया पर कथित तौर पर शेयर करने के आरोप में इस नाबालिग छात्र के खिलाफ आतंकवाद का मामला दर्ज किया था। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, सीटीडी ने तुर्बत के

अबसार इलाके के निवासी सोहैब खालिद के खिलाफ मामला दर्ज किया था। उसने कथित तौर पर नागरिक समाज के सदस्य गुलजार दोस्त के एक भाषण का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिक टॉक पर शेयर किया था। उल्लेखनीय है कि गुलजार दोस्त पाकिस्तान के आतंकवाद-रोधी अधिनियम की चौथी अनुसूची के तहत सूचीबद्ध है।

नाबालिग छात्र सोहैब खालिद के वकील जदैन दश्ती ने कहा कि इस हफ्ते की शुरुआत में सीटीडी के प्राथमिकी दर्ज करने के बाद लड़के के पिता को अपने बेटे को अदालत में पेश करने के लिए मजबूर होना पड़ा। दश्ती ने तर्क दिया कि आरोप निराधार और असंगत थे। उन्होंने कहा कि सोहैब को शेयर किए गए वीडियो के कानूनी निहितार्थों की कोई जानकारी नहीं थी।इस घटना की मानवाधिकार संगठनों ने कड़ी आलोचना की है। उनका कहना है कि किसी नाबालिग पर आतंकवाद के आरोप में मुकदमा चलाना बाल अधिकारों और उचित प्रक्रिया का घोर उल्लंघन है। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने कहा कि वह उन रिपोर्टों से स्तब्ध है जिनमें एक नाबालिग को सोशल मीडिया पर एक मानवाधिकार कार्यकर्ता का भाषण कथित तौर पर साझा करने के आरोप में तुर्बत की एक आतंकवाद-रोधी अदालत में %आतंकवाद% के आरोप में पेश किया गया। एचआरसीपी ने कहा कि इस तरह से आतंकवाद-रोधी कानूनों का दुरुपयोग बाल अधिकारों और उचित प्रक्रिया का घोर उल्लंघन दर्शाता है। आयोग ने आरोपों को तुरंत वापस लेने, प्राथमिकी की गहन समीक्षा करने और इस खतरनाक प्रवृत्ति के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है।

बलूचिस्तान के क्वेटा से युवक को घर से जबरन उठा ले गए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारी

एजेंसी

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान प्रांत में संघीय सरकार कानून प्रवर्तन एजेंसियों के माध्यम से लोगों को जबरन घरों से उठवा रही है। हाल के दिनों में पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने विभिन्न जिलों से कम से कम आठ लोगों को कथित तौर पर हिरासत में लिया है। ताजा घटना में दीन मोहम्मद शाहवानी के युवा बेटे मोहसिन शाहवानी को कथित तौर पर क्वेटा के किल्ली कंबरानी स्थित उसके घर से हिरासत में लिया गया है। द बलूचिस्तान पोस्ट ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से मोहसिन शाहवानी को घर से जबरिया उठाकर ले जाने की खबर प्रसारित की है। शाहवानी को देररात छापा मारकर हिरासत में लिया गया। इसके बाद उसे अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। यह घटना इमाम बंगुलजई के बेटे शेरबाज बंगुलजई समेत चार अन्य लोगों को कथित तौर पर इसी इलाके से ऐसी ही परिस्थितियों में हिरासत में लिए जाने के कुछ समय बाद हुई है। इसके

अलावा वाशुक जिले के नाग इलाके में पाकिस्तान के कानून प्रवर्तन बलों ने 31 जुलाई की रात लगभग दो बजे मीर हाजी हासिल खान सासोली के घर पर कथित तौर पर छापा मारा। इस दौरान उनके बेटे अब्दुल करीम को कथित तौर पर हिरासत में लिया गया। तब से अब्दुल का कोई पता नहीं है। परिवार के सदस्यों का आरोप है कि छापे के दौरान उन पर हमला किया गया और घर की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। इससे पहले केच जिले के होथाबाद निवासी जाफर पुत्र एजाज को 30 जुलाई को खैराबाद इलाके से कथित तौर पर हिरासत में लिया गया था। उसका भी कोई पता नहीं है। यह घटनाएं वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स (वीबीएमपी) के लगातार विरोध प्रदर्शनों के साथ सामने आई हैं। वीबीएमपी का क्वेटा प्रेस क्लब के बाहर प्रदर्शन 5,899वें दिन में प्रवेश कर गया है। वीबीएमपी के अध्यक्ष नसरुल्लाह बलूच ने हाल ही में विश्वविद्यालय की छात्रा महजबीन बलूच के लापता होने का मामला उठाया है। महजबीन को कथित तौर पर राज्य के अधिकारियों ने क्वेटा के सिविल अस्पताल से हिरासत में ले लिया था। वीबीएमपी के अनुसार महजबीन 65 दिन से लापता है।

मैक्रों ने बंधकों के वीडियो को बताया अमानवीय, कहा- हमास ने निर्दयता की हदें पार की

एजेंसी

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गाजा में हमास द्वारा बंधक बनाए गए इजराइली नागरिकों के वीडियो जारी किए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे अत्यंत क्रूरता और असीम अमानवीयता करार देते हुए कहा कि हमास मानवता की सभी सीमाएं लांघ चुका है। हमास और उसकी सहयोगी संगठन इस्लामिक जिहाद ने हाल ही में दो बंधकों रोम ब्रास्लावस्की और एव्यातर डेविड के वीडियो जारी किए हैं। दोनों को 07अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हुए हमले के दौरान अगवा किया गया था, जिसके बाद यह युद्ध शुरू हुआ था। राष्ट्रपति मैक्रों ने एक्स पोस्ट में लिखा, एक घृणित क्रूरता, असीम अमानवीयता – यही हमास का स्वरूप है। फ्रांस की सर्वोच्च प्राथमिकता सभी बंधकों की तत्काल रिहाई है। उन्होंने कहा कि फ्रांस संघर्ष विराम की बहाली और गाजा सीमा पर रुकी हुई मानवीय सहायता की तत्काल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लगातार कोशिश करता रहेगा। मैक्रों ने यह भी दोहराया कि जब यह युद्ध समाप्त होगा, तो गाजा पर हमास का कोई भी राजनीतिक नियंत्रण स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने कहा, हम हमास के पूर्ण निरस्त्रीकरण, शासन से पूर्ण बहिष्कार और इजराइल को फिलिस्तीन द्वारा मान्यता देने की मांग करते हैं।उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति मैक्रों पहले ही यह संकेत दे चुके हैं।

हॉलीवुड अभिनेत्री लोनी एंडरसन का 79 वर्ष की आयु में निधन

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड अभिनेत्री लोनी एंडरसन का लंबी बीमारी के बाद 79 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने लॉस एंजिल्स के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनकी सबसे यादगार फिल्म डब्ल्यूकेआरपी इन सिनसिनाटी है। उन्होंने इस हास्य फिल्म में रिसेप्शनिस्ट जेनिफर मार्लो का किरदार निभाकर प्रशंसकों और फिल्म विशेषज्ञों का ध्यान खींचा था। फॉक्स न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, उनकी पूर्व प्रचारक चेरिल जे. कागन ने अभिनेत्री लोनी एंडरसन के निधन की पुष्टि करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी है। एंडरसन के परिवार ने बयान में कहा, हमें अपनी प्यारी पत्नी, मां और दादी के निधन की घोषणा करते हुए दुख हो रहा है। उन्होंने चार दशक से भी ज़्यादा समय तक स्वाट, थ्री ऑन अ डेट, थ्रीज कंपनी, द इनक्रेडिबल हल्क, द लव बोट और द बॉब न्यूहार्ट शो फिल्मों सहित कई टीवी शो में अभिनय किया। मिनेसोटा के सेंट पॉल में पली-बढ़ी एंडरसन की सबसे बड़ी ख्वाहिश अभिनेत्री बनने की थी। 1975 में एंडरसन लॉस एंजिल्स चली

आई और जल्द ही इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना ली। उन्होंने 1978 में एक लोकप्रिय टीवी शो में सेक्स सिंबल के रूप में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने 2021 में कहा था, मुझे याद है कि उस जमाने में हम सब पोस्टर बनाया करते थे। हर कोई मुझसे हमेशा पूछता था, तुमने पोस्टर क्यों बनाया? मैं कहती थी क्योंकि किसी दिन मेरे नाती-पोते इसे देखेंगे। और मैं उन्हें बता पाऊंगी कि मैं सचमुच ऐसी दिखती थी। साल 1982 में उन्होंने अपने तत्कालीन भावी पति बर्ट रेनॉल्ड्स के साथ स्ट्रोकर ऐस नामक एक फीचर फिल्म में सह अभिनय किया। लोनी और बर्ट ने अगस्त 1988 में अपने बेटे क्विंटन एंडरसन रेनॉल्ड्स को गोद लिया। बर्ट रेनॉल्ड्स की 2018 में दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। टीवी और फिल्म के अलावा एंडरसन संगीत थियेटर समुदाय की प्रमुख सदस्य थीं। मीडिया फोर के अध्यक्ष स्टीव सॉयर ने कहा, वह एक बेहतरीन कामकाजी मां थीं। परिवार सर्वोपरि था। उन्होंने अपने करियर के साथ बेहतरीन संतुलन बनाए रखा। उनकी कमी हमेशा खलेगी। बताया गया है कि 17 मई, 2008 को एंडरसन ने 1960 के दशक के लोकगीत समूह द ब्रदर्स फोर के संस्थापक सदस्य बॉब फ्लिक से शादी की। एंडरसन के परिवार में उनके पति, बेटी डेइड्रा और दामाद चार्ली हॉफमैन, बेटा क्विंटन एंडरसन रेनॉल्ड्स, पोते-पोतियां मैकेंजी और मेगन हॉफमैन, सौतेला बेटा एडम फ्लिक और उनकी पत्नी हेलेन, सौतेले पोते-पोतियां फेलिक्स और मैक्सिमिलियन हैं। परिवार ने कहा कि हॉलीवुड फॉरएवर कब्रिस्तान में एक निजी पारिवारिक प्रार्थना सभा आयोजित की जाएगी।

रुपये 62 पैसे की साप्ताहिक गिरावट

एजेंसी

मुंबई। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली और दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में मजबूती से बीते सप्ताह रुपया 62.50 पैसे (0.72 प्रतिशत) लुढ़ककर 87.1850 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। सप्ताह के पहले तीन दिन में ही भारतीय मुद्रा टूटकर 87.77 रुपये प्रति डॉलर तक उतर गयी थी। हालाँकि अंतिम दो दिन मजबूती आने से यह 87.1850 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुई। इससे पहले के सप्ताह में भी रुपया 40 पैसे टूटा था। विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय पूँजी बाजार में बिकवाली से भारतीय मुद्रा दबाव में रही। बीते सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुद्ध रूप से 158.795 करोड़ डॉलर की बिकवाली की। साथ ही, दुनिया की अन्य छह प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में अमेरिकी डॉलर सूचकांक के 100 के करीब पहुँच जाने से भी रुपये पर दबाव बढ़ा।

2017 से पहले था निवेश का सूखा, अब योगी राज में हो रही निवेश क्रां

लखनऊ। उत्तर प्रदेश, जो कभी निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य नहीं माना जाता था, आज देश के सबसे भरोसेमंद और तेजी से विकसित होते औद्योगिक राज्यों की पंक्ति में खड़ा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य ने निवेश और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में ऐसी छलांग लगाई है, जिसकी मिसाल कम ही देखने को मिलती है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज ÷रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म÷ मॉडल का सर्वोत्तम उदाहरण बन चुका है। जहां एक ओर 2017 से पहले यूपी निवेश मानचित्र पर मुश्किल से स्थान पा रहा था, वहीं अब यह राज्य वैश्विक निवेशकों के लिए पहला विकल्प बन गया है। विगत 8 वर्षों में लाखों करोड़ का निवेश और दुनिया भर के निवेशकों का उत्तर प्रदेश की ओर रिझान इसी ओर इशारा कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो वर्ष 2000 से 2017 तक 17 वर्षों में यूपी को महज 3,000 करोड़ का एफडीआई प्राप्त हुआ था। 2016-17 में यह आंकड़ा गिरकर 50 करोड़ तक सिमट गया था जो राज्य की छवि और औद्योगिक अभाव को दर्शाता है। राज्य में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की रैंकिंग औसत थी, सिंगल विंडो सिस्टम जैसी बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी थी। यही नहीं, औद्योगिक विकास के लिए न तो स्पष्ट विज़न था और न ही स्थिर कानून व्यवस्था, जिससे निवेशकों में विश्वास की कमी बनी रही।

बीएसएनएल और एनआरएल मिलकर बनाएंगे भारत का पहला 5जी रिफाइनरी नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत को तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) और नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) ने समझौता किया है। यह समझौता गुवाहाटी में आयोजित उद्योग 4.0 कार्यशाला के दौरान किया गया, जिसे वित्त मंत्रालय के अंतर्गत लोक उद्यम विभाग ने आयोजित किया। इस समझौते के तहत एनआरएल की रिफाइनरी में देश का पहला 5जी निजी औद्योगिक नेटवर्क स्थापित किया जाएगा। यह नेटवर्क केवल उस रिफाइनरी के कामकाज के लिए होगा और इससे मशीनों, उपकरणों और कर्मचारियों को तेज, सुरक्षित और तुरंत जुड़ने की सुविधा मिलेगी। कार्यशाला में लोक उद्यम विभाग के सचिव, बीएसएनएल और एनआरएल के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एमट्रॉन के प्रबंध निदेशक और अन्य सरकारी कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने आधुनिक तकनीकों जैसे पांचवीं पीढ़ी की दूरसंचार प्रणाली (5जी), कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), वस्तुओं की अंतरजाल प्रणाली (आईओटी), आभासी और बड़े आंकड़ों के विश्लेषण पर चर्चा की। लोक उद्यम विभाग के सचिव ने इस प्रयास को सरकार के समूची सरकार दृष्टिकोण का अच्छा उदाहरण बताया और कहा कि इससे देश के उद्योगों को आधुनिक बनाया जा सकेगा और विशेषकर पूर्वोत्तर क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

भारत को तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था बताते हुए कनाडाई दिग्गज ने अमेरिका को दी आर्थिक टकराव से बचने की सलाह

नई दिल्ली। भारत पर 25 फीसदी टैरिफ और रूस से तेल आयात पर अतिरिक्त टैक्स की अमेरिकी घोषणा के बाद से आर्थिक विशेषज्ञ इसपर सवाल उठा रहे हैं। इससे भारत-अमेरिका के रिश्तों में दूरी की आशंका तो है ही, टैरिफ को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैये से विशेषज्ञ अमेरिका में मंदी की आहट देख रहे हैं।कनाडा के दिग्गज कारोबारी और टेस्टबेड के चेयरमैन किर्क लुबिमोव ने इसे लेकर ट्रंप को साफ साफ आगाह करते हुए नरेन्द्र मोदी को वैश्विक मंच पर सर्वाधिकसम्मानित नेता करार दिया। किर्क लुबिमोव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा कर ट्रंप की टैरिफ नीति को न केवल गलत बताया बल्कि भारत पर 25 फीसदी टैरिफ को ट्रंप की बहुत बड़ी दीर्घकालिक रणनीतिक चूक करार दिया। उन्होंने कहा कि वे पहले भी कहते रहे हैं कि डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति में सबसे बड़ी समस्या यह है कि इसमें जियो पॉलिटिकल स्ट्रैटजी का ध्यान नहीं रखा जाता है। ट्रंप भारत से लड़ाई लड़ रहे हैं, जो दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती इकोनॉमी में से एक है और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज वैश्विक मंच पर सबसे ज्यादा सम्मानित नेताओं में गिने जाते हैं, जिनका कई अहम देशों में गहरा प्रभाव है। लुबिमोव का कहना है कि रणनीति यह होनी चाहिए कि कैसे चीन और ब्रिक्स देशों के बढ़ते प्रभुत्व को संतुलित किया जाए। भारत, ब्रिक्स का हिस्सा होने के बावजूद अमेरिका का नेचुरल सहयोगी बन सकता है। खास तौर पर जब उत्पादन को चीन से शिफ्ट करना हो।

शुरुआती कारोबार में उतार चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली बढ़त

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद पहले आधे घंटे में ही खरीदारों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा। पहले 1 घंटे के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.16 प्रतिशत और निफ्टी 0.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हीरो मोटोकॉर्प, टाटा स्टील, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रासिम इंडस्ट्रीज और इंडसइंड बैंक के शेयर 2.46 प्रतिशत से लेकर 1.59 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, टेक महिंद्रा, सन फार्मास्युटिकल्स, इंफोसिस और एनटीपीसी के शेयर 1.46 प्रतिशत से लेकर 0.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,529 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,391 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,138 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 11 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 165.92 अंक की मजबूती के साथ 80,765.83 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 80,902.93 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इसने थोड़ी ही देर में लाल निशान में 80,500.51 अंक तक गोता भी लगा दिया। हालांकि थोड़ी देर बाद खरीदारों ने एक बार फिर जोर दिखाया, जिससे ये सूचकांक वापस हरे निशान में पहुंचने में सफल रहा। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10-15 बजे सेंसेक्स 129.98 अंक की मजबूती के साथ 80,729.89 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी में आज 30.70 अंक उछल कर 24,596.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होने लगी। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 24,669.95 अंक तक पहुंचा। वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर ये कुछ देर के लिए लाल निशान में 24,554 अंक तक गिर भी गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 63.70 अंक की बढ़त के साथ 24,629 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

टॉप 10 में शामिल देश की 7 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.35 लाख करोड़ की गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 7 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.35 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस)को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल 3 कंपनी के मार्केट कैप में इस सप्ताह 39 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा हिन्दुस्तान यूनिलीवर को हुआ। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और बजाज फाइनेंस के मार्केट कैप में 1,35,349.93 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 39,989.72 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। 28 जुलाई से 01 अगस्त के बीच हुए कारोबार के दौरान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 47,487.10 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 10,86,547.86 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 29,936.06 करोड़ रुपये फिसल कर 10,74,903.87 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 22,806.44 करोड़ रुपये की कमजोरी के साथ 5,44,962.09 करोड़ रुपये के स्तर पर, इंफोसिस का मार्केट कैप 18,694.23 करोड़ रुपये कम होकर 6,29,621.56 करोड़ रुपये के स्तर पर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 11,584.43 करोड़ रुपये घट कर 7,32,864.88 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 3,608 करोड़ रुपये गिर कर 10,50,215.14 करोड़ रुपये के स्तर पर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 1,233.37 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 5,59,509.30 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

अडानी समूह ने बीवाईडी और बीजिंग वेलियन के साथ गठजोड़ से किया इंकार

एजेंसी

नई दिल्ली। अडानी समूह ने सोमवार को ब्लूमबर्ग की प्रकाशित उस रिपोर्ट को भ्रामक बताया है, जिसमें यह दावा किया गया था कि समूह भारत में बैटरी निर्माण को बढ़ावा देने की रणनीतिक साझेदारी के लिए चीन की कंपनियों के साथ बातचीत कर रहा है।

अडाणी समूह के प्रवक्ता ने बताया कि ब्लूमबर्ग की 4 अगस्त को प्रकाशित रिपोर्ट में समूह और चीनी कंपनियों बीवाईडी और बीजिंग वेलियन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी के बीच साझेदारी को लेकर दावा किया गया है। बयान के मुताबिक ये रिपोर्ट पूरी तरह से बेबुनियाद, भ्रामक और तथ्यों से परे है। अडाणी समूह भारत में बैटरी निर्माण के लिए बीवाईडी के साथ किसी भी प्रकार की साझेदारी की संभावनाएं नहीं तलाश रहा है। इसी तरह बीजिंग वेलियन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी के साथ भी हमारा कोई संवाद या साझेदारी की योजना नहीं है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया था कि अडानी समूह भारत में बैटरी बनाने और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अपने प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए चीनी इलेक्ट्रिक वाहन दिग्गज बीवाईडी कंपनी के साथ गठजोड़ की संभावना तलाश रहा है।

मॉयल का जुलाई में मैंगनीज अयस्क उत्पादन रिकॉर्ड 1.45 लाख टन रहा

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी मॉयल ने वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई में रिकॉर्ड 1.45 लाख टन मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया है। ये अबतक का सर्वाधिक? उत्पादन है और पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि (सीपीएलवाई) के मुकाबले 12 फीसदी का इजाफा है। इस्पात मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि कहा कि सक्रिय मानसून के बाद भी मॉयल ने अप्रैल-जुलाई 2025 के दौरान मजबूत परिचालन का प्रदर्शन किया, जिससे उत्पादन सालाना आधार पर 7.8 फीसदी बढ़कर 6.47 लाख टन और बिक्री सालाना आधार पर 10.7 फीसदी बढ़कर 5.01 लाख टन हो गया है। इसके साथ ही अन्वेषणात्मक ड्रिलिंग भी पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि से 11.4 फीसदी बढ़कर 43,215 मीटर हो गई है। मॉयल के सीएमडी अजीत कुमार सक्सेना ने कहा कि मॉयल ने जुलाई में रिकॉर्ड मैंगनीज का उत्पादन ऐसे समय पर हासिल किया है, जब मानसून के कारण खनन करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। सक्सेना ने कंपनी के इस बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मॉयल टीम को बधाई दी और चुनौतीपूर्ण मौसम के बावजूद उत्पादन और बिक्री बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासों की सराहना की।

स्टॉक मार्केट में उमिया मोबाइल की फीकी शुरुआत, मामूली मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। मोबाइल फोन और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स सेगमेंट में कारोबार करने वाली कंपनी उमिया मोबाइल लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 66 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 4.55 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 69 रुपये के स्तर पर हुई। स्टॉक मार्केट में एंट्री के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 70 रुपये के स्तर तक पहुंचा, लेकिन उसके बाद बिकवाली के दबाव में ये शेयर ऊपरी स्तर से लुढ़क भी गया। सुबह 11 बजे तक के कारोबार के बाद उमिया मोबाइल लिमिटेड के शेयर 67.56 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह शुरुआती करीब दो घंटे के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशकों का मुनाफा घट कर 2.36 प्रतिशत रह गया है। उमिया मोबाइल लिमिटेड का 24.88 रेपोनो का आईपीओ 28 से 31 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.57 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.44 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.61 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 37.70 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।उमिया मोबाइल ने 2012 में गुजरात के राजकोट से अपने कारोबार की शुरुआत की थी। ये मोबाइल फोन और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स सेगमेंट में काम करने वाली एक रिटेल कंपनी है। कंपनी एप्पल, सैमसंग, रियलमी और शाओमी जैसे बड़े ब्रांड्स के स्मार्टफोन्स के साथ-साथ सोनी, एलजी, पैनासोनिक और गोदरेज जैसे ब्रांड्स के स्मार्ट टीवी, एसी, रेफ्रिजरेटर और कूलर भी बेचती है।

प्राइमरी मार्केट में बढ़ी हलचल, अगले सप्ताह 11 नए आईपीओ की होगी लॉन्चिंग, 14 शेयर लिस्टिंग के बाद करेंगे कारोबार की शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। सोमवार से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में काफी हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह 11 कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से 3 आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि शेष 8 आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हुए 3 आईपीओ में भी इस सप्ताह 04 और 05 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। सोमवार से शुरू हो रहे सप्ताह के दौरान लिस्टिंग भी जमकर होने वाली है। इस सप्ताह 14 कंपनियों के शेयर लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरुआत करेंगे। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 04 अगस्त को ही एसेस्क मेरीन का 23.01 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ में 06 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत 54 रुपये प्रति शेयर का भाव तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों की 11 अगस्त को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग होगी। इसी दिन बीएलटी लॉजिस्टिक्स का 9.72 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ में भी 6 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत 71 रुपये से लेकर 75 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। कंपनी के शेयरों की 11 अगस्त को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग होगी। सप्ताह के पहले दिन ही आराध्या डिस्पोजल का 45.10 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ में भी 6 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी।

स्टॉक मार्केट में रेपोनो की कमजोर एंट्री, लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स कंपनी रेपोनो लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर शुरुआत करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 96 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 6.26 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ इसकी लिस्टिंग 89.99 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में ये शेयर थोड़ी ही देर में गिर कर 85.50 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 10.94 प्रतिशत का नुकसान हो गया।रेपोनो लिमिटेड का 26.68 करोड़ रुपये का आईपीओ 28 से 30 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 64.95 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 29.03 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 107.34 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 67.31 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 27,79,200 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी फोर्कलिफ्ट, हैंड पैलेट ट्रॉली और रीच स्टैकर की खरीदारी करने, वेयरहाउस रैकिंग सिस्टम का सेटअप तैयार करने, वेयरहाउस मैनेजमेंट के लिए सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट करने, अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक शुरू, रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती संभव

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक सोमवार से मुंबई में शुरू हो गई। एमपीसी की समीक्षा आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा बैठक में लिए फैसलों की जानकारी 6 अगस्त को देंगे। रिजर्व बैंक एक बार फिर नीतिगत ब्याज दरों यानी रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है। आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि अमेरिका के टैरिफ वॉर और ग्लोबल अनिश्चितता से सकल घरेलू उत?पाद जीडीपी (ग्रोथ) पर असर पड़ सकता है। ऐसे में रिजर्व बैंक नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है, ताकि ग्रोथ को सपोर्ट मिल सके। रेपो रेट वह ब्याज दर है, जिस पर बैंक आरबीआई से कर्ज लेते हैं। आरबीआाई रेपो रेट घटाता है, तो बैंकों को सस्ता कर्ज मिलता है, जिसका फायदा वो ग्राहकों तक पहुंचाते हैं। रिजर्व बैंक ने इस साल लगातार तीन बार नीतिगत ब्याज दरों रेपो रेट में 1 फीसदी की कटौती कर चुका है। आरबीआई ने फरवरी में हुई एमपीसी की बैठक में रेपो रेट को 6.50 फीसदी से घटाकर 6.25 फीसदी कर दिया था। ये कटौती करीब 5 साल बाद की गई थी। दूसरी बार अप्रैल में हुई बैठक में भी ब्याज दर 0.25 फीसदी घटाई गई, जबकि तीसरी बार रेपो रेट में 0.50 कटौती जून में हुई। अभी रेपो रेट 5.50 फीसदी पर है।

भारतीय कंपनियों में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी घटकर 40.58 फीसदी पर

नई दिल्ली। देश की निजी सूचीबद्ध कंपनियों में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी में गिरावट दर्ज हुई है। यह 30 जून 2025 तक घटकर 40.58 प्रतिशत पर आ गई है, जो पिछले आठ वर्षों में सबसे निचला स्तर है। यह गिरावट अप्रैल-जून तिमाही के दौरान कुल 54,732 करोड़ रुपये की नेट शेयर बिक्री के चलते दर्ज की गई। यह जानकारी प्राइम डाटाबेस ग्रुप की पहल, primeinfobase.com के आंकड़ों में सामने आई है। प्राइम डाटाबेस ग्रुप के प्रबंध निदेशक प्रणव हल्दिया ने कहा कि प्रमोटरों द्वारा शेयरों की खरीद आमतौर पर कंपनी में भरोसे का संकेत माना जाता है। लेकिन प्रमोटरों द्वारा शेयरों की बिक्री कई कारणों से हो सकती है। जैसे कि प्रमोटर तेजी वाले बाजार का फायदा उठाकर पैसा निकाल लेते हैं, रणनीतिक कारण जैसे कर्ज में कमी, उत्तराधिरार योजना, परोपकार, अन्य क्षेत्रों में निवेश या न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) की जरूरत पूरी करना और व्यक्तिगत खर्चों के लिए भी। उन्होंने कहा कि हाल ही में आईपीओ कंपनियों में अपेक्षाकृत कम प्रमोटर हिस्सेदारी और बाजार का तेजी से संस्थागत होते जाना भी इस गिरावट के अहम कारण हैं। इसका मतलब यह है कि अब कंपनियों में बड़े निवेशक म्यूचुअल फंड, बीमा कंपनियां, विदेशी निवेशक और अन्य संस्थान बनते जा रहे हैं, जिससे प्रमोटर्स का प्रतिशत घट रहा है।

सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में बड़ी गिरावट, चांदी के भाव में भी मामूली कमजोरी

एजेंसी

नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में जबरदस्त गिरावट का रुख बना रहा। सोना आज 1,450 रुपये से 1,590 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता होकर एक बार फिर एक लाख रुपये के स्तर से नीचे आ गया है। हालांकि चांदी के भाव में आज 100 रुपये प्रति किलोग्राम की मामूली कमजोरी ही दर्ज की गई है। कीमत में कमी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,760 रुपये से लेकर 99,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 91,450 रुपये से लेकर 91,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,12,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 99,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,600 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 99,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 99,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 91,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

अंकिता लोखंडे

की हाउस हेल्पर की बेटी लापता, एक्ट्रेस ने मुंबई के लोगों से मांगी मदद, दर्ज करवाई FIR

अंकिता लोखंडे ने इंस्टाग्राम पर अपनी हाउस हेल्पर की बेटी और उसकी सहेली के लापता होने की जानकारी सभी के साथ शेयर की. एक्ट्रेस ने दोनों लड़कियों की फोटो शेयर की और लोगों से उन्हें ढूंढने में मदद मांगी. अंकिता ने पोस्ट शेयर कर बताया कि हमारी हाउस हेल्पर कांता की बेटी और उसकी सहेली, सलोनी और नेहा लापता हैं.

अंकिता लोखंडे ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर बताया कि उनकी हाउस हेल्पर कांता की बेटी और बेटी की दोस्त 31 जुलाई, 2025 से लापता हैं. उन्होंने दोनों लड़कियों की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, अरजेंट मिसिंग अलर्ट. हमारी हाउस हेल्पर कांता की बेटी और उनकी बेटी की दोस्त, सलोनी और नेहा 31 जुलाई, सुबह 10 बजे से लापता हैं. उन्हें आखिरी बार वकोला इलाके के पास देखा गया था. मालवणी पुलिस स्टेशन में एक एफआईआर दर्ज हो चुकी है, लेकिन उनका अभी तक कोई अता-पता नहीं है.

अंकिता ने गुमशुदगी की जानकारी देते हुए अपने पोस्ट में आगे लिखा, वे सिर्फ़ हमारे घर का हिस्सा नहीं हैं, वे हमारे परिवार का हिस्सा हैं. हम बेहद चिंतित हैं और सभी से, खासकर मुंबई पुलिस और मुंबई के लोगों से अनुरोध करते हैं कि वे इस बात को फैलाने में हमारी मदद करें और उन्हें सुरक्षित वापस लाने में हर संभव मदद करें. अगर किसी ने कुछ देखा या सुना है, तो कृपया तुरंत संपर्क करें या नज़दीकी पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करें. आपका समर्थन और प्रार्थनाएं इस समय हमारे लिए बहुत मायने रखती हैं.

अंकिता के पोस्ट पर यूजर का कमेंट

एक सोशल मीडिय यूजर ने अंकिता की पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए लिखा, मैंने कल उस गुलाबी कुर्ती वाली लड़की को देखा थाज्वे वसई से चर्चगेट जाने वाली रात 9:10 बजे की लोकल ट्रेन में बैठी थीं. मैंने उस पर ध्यान दिया क्योंकि वह थोड़ी असहज लग रही थी और इससे मुझे उसकी याद आ गई. मुझे पूरी तरह से यकीन नहीं है, लेकिन मुझे ये पूरा यकीन है कि वह वही थी.

विकी के लाफ्टर शेफ कर रही हैं अंकिता

अंकिता के पोस्ट पर तमाम यूजर्स ने अपनी चिंता जाहिर की. वहीं वर्कफ्रंट की बात करें तो, अंकिता लोखंडे फिलहाल लाफ्टर शेफ्स में नजर आ रही हैं. इस शो में उनके लुक्स और स्टाइल सभी का ध्यान अपनी ओर खींचते हैं. वहीं इस शो में अंकिता के साथ उनके पति भी नजर आ रहे हैं. वहीं उनके टीवी में वापसी का फैन्स बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. हालांकि अब अंकिता फिल्मों में कम करने लगी हैं, तो ऐसे में हो सकता है कि वो जल्द ही किसी प्रोजेक्ट में नजर आएं.

जब 17 साल की लड़की के साथ 53 साल के सलमान खान ने किया रोमांस, फिल्म पर हुई थी पैसों की बारिश

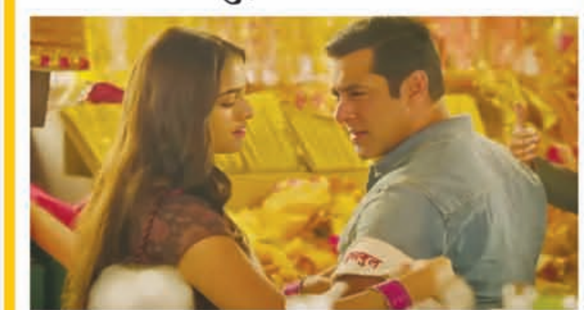

बॉलीवुड के पॉपुलर एक्टर सलमान खान ने अपने 37 साल के करियर में अब तक कई फिल्मों में काम किया है और इन 37 सालों में अभिनेता कई एक्ट्रेसेस के साथ नजर आ चुके हैं. उनकी फिल्मों के जरिए कई एक्ट्रेसेस ने अपने बॉलीवुड करियर का आगाज भी किया है. सलमान ने खुद से उम्र में कई साल छोटी एक्ट्रेसेस संग भी रोमांस किया है. हालांकि एक एक्ट्रेस तो उनसे उम्र में 37 साल छोटी रही हैं.सलमान खान ने हाल ही में अपनी फिल्म 'सिकंदर' में 31 साल छोटी रश्मिका मंदाना संग रोमांस किया था. जबकि इससे 6 साल पहले अभिनेता 37 साल छोटी सई मांजरेकर संग भी रोमांस करते हुए नजर आए थे. दोनों को फिल्म 'दबंग 3' में साथ में देखा गया था. इस पिक्चर ने टिकट खिड़की पर शानदार कमाई की थी.

53 की उम्र में सलमान ने 17 की सई संग किया था रोमांस

दबंग 3, दबंग फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म थी. साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म का डायरेक्शन प्रभु देवा ने किया था. अभी सलमान 59 साल के हैं, जबकि इस फिल्म के वक्त वो 53 साल के थे. वहीं सई अभी 23 साल की हैं. जबकि दबंग 3 की रिलीज के समय उनकी उम्र 17 साल थी. सई, मशहूर एक्टर-डायरेक्टर महेश मांजरेकर की बेटी हैं.

सई ने सलमान की फिल्म के जरिए बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी. फिल्म में उन्होंने खुशी नाम का किरदार निभाया था. पिक्चर में सलमान की जोड़ी सोनाक्षी सिन्हा के साथ बनी थी, हालांकि जब एक्टर फ्लैशबैक के कुछ किस्से सुनाते हैं, तब वो सई के साथ नजर आते हैं. फ्लैशबैक में जिस लड़की से उनका अफेयर रहता है वो सई मांजरेकर ही होती हैं. दोनों पर फिल्म में रोमांटिक सीन भी फिल्माया गया था. 37 साल के एज गैप को लेकर दोनों को लोगों ने ट्रोल भी किया था.

हिट साबित हुई थी दबंग 3

दबंग सीरीज की पहले की दोनों फिल्मों की तरह दबंग 3 ने भी बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल की थी. सलमान, सोनाक्षी और सई के अलावा फिल्म में साउथ एक्टर सुदीप किच्चा भी लीड रोल में थे. उन्होंने विलेन बाली सिंह का किरदार निभाया था. 90 करोड़ में बनी फिल्म ने भारत में 151 करोड़ रुपये का कारोबायर किया था. वहीं इसकी वर्ल्डवाइड कमाई 218 करोड़ रुपये हुई थी

जिससे सनी देओल ने मिलाया हाथ, उस एक्टर की 'फौजी' वाली फिल्म में आई ये हीरोइन! अब असली खेल होगा

अगस्त में कुछ फिल्में रिलीज हो चुकी हैं, तो कुछ जल्द होने वाली हैं. वहीं सितंबर और अक्टूबर भी एकदम फुल है. हालांकि, फरहान अख्तर ने एक बिग बजट एक्शन फिल्म के लिए हाल में सनी देओल के साथ हाथ मिलाया है. लेकिन उससे पहले उनकी फिल्म आएगी, जिसका नाम है-120 Bahadur. फिल्म में वो फौजी बने हैं. नवंबर में आ रही इस पिक्चर से एक एक्ट्रेस का नाम जुड़ रहा है, जो पहले ही कई हिट फिल्में दे चुकी हैं. जानिए कौन हैं और कैसा रोल होगा ?

दरअसल फरहान अख्तर की फिल्म 120 Bahadur एक वॉर ड्रामा पिक्चर है. जो 1962 के भारत-चीन युद्ध के रेजांग ला युद्ध पर बेस्ड है. पिक्चर में फरहान अख्तर मेजर शैतान सिंह का किरदार निभा रहे हैं. अब फिल्म में जिस एक्ट्रेस की एंट्री हुई है, वो अपने अभिनय से पहले भी हर किसी का दिल जीत चुकी हैं.

फरहान की फिल्म में किसकी एंट्री ?

फरहान अख्तर की 120 बहादुर इस साल की मच अवेटेड फिल्मों में से एक है. अब रिलीज से कुछ महीने पहले फिल्म में राशि खन्ना की एंट्री हुई है. दरअसल वो फिल्म में अहम किरदार निभाने वाली हैं. अब क्योंकि फरहान अख्तर फिल्म में मेजर शैतान सिंह का किरदार निभा रहे हैं. तो एक्ट्रेस इस कहानी में अहम हिस्से को जोड़ेगी. यानी उनका रोल इपॉर्टेंट होने वाला है. लंबे वक्त से राशि खन्ना डिमांड में हैं. खासकर जिन रोल्स के लिए इंटेंसिटी और दूसरे शेड की जरूरत है, उसके लिए वो ही पहली पसंद भी बनी हैं.

कुछ वक्त पहले उन्हें सिद्धार्थ मल्होत्रा की 'योद्धा' में देखा गया था. जहां फिल्म तो कुछ कमाल नहीं दिखा पाई, पर उनके अभिनय की तारीफ हुई थी. वहीं दूसरी ओर 'द साबरमती रिपोर्ट' में उनके अभिनय से उन्होंने क्लियर कर दिया कि किसी भी तरह का रोल शानदार तरह से कर सकती हैं. एचटी सिटी रिपोर्ट के मुताबिक, यही वजह है जो उन्हें '120 बहादुर' के लिए चुना गया है. हालांकि, किस तरह के किरदार में होंगी, यह जानकारी मेकर्स ने छिपाकर रखी है.

1000 करोड़ी फिल्म के बाद, 3-3 बड़े सितारों वाली फिल्म से होगी प्रियंका चोपड़ा की बॉलीवुड में वापसी?

प्रियंका चोपड़ा को करीब 6 सालों से हिंदी सिनेमा की फिल्मों में नहीं देखा गया है. हालांकि हॉलीवुड में देसी गर्ल अपने काम से धूम मचा रही हैं. ग्लोबल आइकन बन चुकी प्रियंका एक के बाद एक हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में नजर आ रही हैं. 2015 में जब से एक्ट्रेस अमेरिका शिफ्ट हुई हैं, तब से उन्होंने सिर्फ़ दो बॉलीवुड फ़िल्में की हैं, जिनमें से उनकी पिछली फिल्म 2019 में आई द स्काई इज़ पिंक थी. लेकिन अब खबरें आ रही हैं कि प्रियंका की हिंदी सिनेमा में वापसी होने वाली है. माना जा रहा है कि एक्ट्रेस संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म में नजर आ सकती हैं.

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू और डायरेक्टर एसएस राजामौली के साथ SSMB29 में काम कर रही हैं. इस फिल्म को 1000 करोड़ के बजट के साथ तैयार किया जा रहा है. फिल्म में प्रियंका नेगेटिव रोल निभाती हुई नजर आने वाली हैं. फिल्म के लिए वो अक्सर हैदराबाद जाती रहती हैं. इसी बीच उनकी अगली हिंदी फिल्म का हिंट मिला है. प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर एक थ्रोबैक पोस्ट के साथ इंटरनेट पर हलचल मचा दी.

प्रियंका चोपड़ा के पोस्ट से मिला हिंट

प्रियंका ने संजय लीला भंसाली की फिल्म गोलियों की रासलीला राम-लीला (2013) से अपने डांस नंबर राम चाहे लीला चाहे को ट्रिब्यूट दिया. इसमें खास बात सिर्फ पुरानी यादों को ताजा करना ही नहीं, बल्कि उसके साथ लिखा गया कैप्शन भी था. प्रियंका ने लिखा, जब संजय सर मेरे पास यह गाना लेकर आए, तो यह एक मुश्किल फैसला था, लेकिन एक फिल्ममेकर के तौर पर उन्होंने मुझे हमेशा प्रेरित किया है. उनका क्रिएटिव दिमाग, लज़ीज़ खाने के साथ उनकी पुरानी यादें ताज़ा करने वाली कहानियां, कला और संगीत से लेकर नृत्य तक की बातचीतज्बीते ज़माने की खूबसूरती और भविष्य की झलक. और फिर उन्होंने गाना बजायाज्और मुझे एहसास हुआ कि मैं वही हूं.

एक दिवसीय स्त्रोन देवता मेला कुफर जोहड़ संपन

दिव्य दिल्ली: राजगढ़ सिरमौर

राजगढ़ उपमंडल का प्रसिद्ध एवं पारंपरिक स्त्रोन देवता के नाम पर लगने वाला एक दिवसीय शनोल मेला पाब चुरवाधार के समीप कुफर जोहड़ में संपन हो गया मेला समिति के प्रधान शेखर शर्मा ने बताया कि मेले का शुभारंभ देवता स्त्रोन की पारंपरिक पूजा, व छड़ी यात्रा के साथ हुआ । विशाल दंगल और सांस्कृतिक कार्यक्रम मेले के मुख्य आकर्षण रहे । मेला मैदान में मेले का शुभारंभ सहकारिता प्रकोष्ठ के संयोजक एवं पूर्व उपाध्यक्ष जोगिंद्रा केंद्रीय सहकारी बैंक सोलन यशपाल सिंह ठाकुर द्वारा किया गया प्रधान शेखर शर्मा ने बताया कि स्त्रोन देवता की प्रातः आठ बजे पारंपरिक पूजा और हवन यज्ञ किया गया । तदोपरांत मेला स्थल

पर प्रातः 10 बजे देवता की पवित्र छड़ी का भव्य स्वागत किया गया । मेले में लोगों के मनोरंजन के लिए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गये जिसमें सिरमौर व अन्य जिलों के प्रसिद्ध कलाकार अपनी कला का जादू बिखेरे दोपहर बाद कुश्ती सिलसिला आरंभ हुआ ।

जिसमे उत्तरी भारत के नामी पहलवानो ने भाग लिया इस बार मेले के इस दंगल में तीन मालीयां रखी गई थी बड़ी माली छोटी माली ,हिमाचली छोटी माली 51 हजार रुपए की बड़ी माली सोम वीर रोहतक वाले ने अपने नाम की जबकि 21 हजार रुपये की छोटी माली अजय दीप उर्फ नोनू ने अपने नाम की तथा 51 सौ रुपये वाली हिमाचली छोटी माली चेतन पहलवान ने अपने नाम की ।

विधुत बोर्ड में वरिष्ठ सहायकों के 159 पदों को तुरंत वहाल करें प्रबन्धक: भारद्वाज

दिव्य दिल्ली : कांगड़ा

जिला कांगड़ा विधुत पैंशनर्ज फोरम के सलाहकार एवं नगरोटा सूरियां ईकाई के सचिव कृष्ण भारद्वाज ने विधुत बोर्ड में वरिष्ठ सहायकों के 159 पदों को समाप्त करने के बोर्ड प्रबंधक के आदेशों पर कड़ा विरोध करते हुए कहा है कि बोर्ड प्रबंधक विधुत बोर्ड को तहस-नहस करने पर तुला है जिसे किसी भी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विधुत उपमंडल नगरोटा सूरियां में विधुत उपभोक्ताओं की संख्या के हिसाब से वरिष्ठ सहायकों के 3 पद होने चाहिए तथा उनके समय में भी वरिष्ठ सहायक के 3 ही पद थे परन्तु वर्तमान में इस उपमंडल में कागजों में 2 वरिष्ठ सहायक कार्यरत थे। जिनमें से एक वरिष्ठ सहायक पिछले लगभग 3 वर्षों से कार्यालय से अनुपास्थित चल रहा है तथा जो 1 वरिष्ठ सहायक यहां कार्यरत था उसे यहां का वरिष्ठ सहायक का एक पद समाप्त कर कोटला भेज दिया गया है।

न्यूज फ्लैश

पठानकोट-अमृतसर मार्ग पर दर्दनाक सड़क हादसा, ट्राले की टक्कर से युवक की मौत

दिव्य दिल्ली पठानकोट (करुनीत रंधावा)

पठानकोट-अमृतसर राष्ट्रीय राजमार्ग पर नरोट पुल के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे को लेकर पीड़ित परिवार ने पंजाब सरकार के एक कैबिनेट मंत्री के काफिले पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि मंत्री के काफिले द्वारा नेशनल हाईवे पर अचानक यू-टर्न लेने के कारण पीछे से आ रहे ट्राले का संतुलन बिगड़ गया, जिससे ट्राले ने युवक को टक्कर मार दी और वह ब्रीजा गाड़ी से जा टकराया।

घटना के विरोध में गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने नैशनल हाईवे को जाम कर दिया और मंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मंत्री को दुर्घटना की जानकारी होने के बावजूद वे मौके पर नहीं पहुंचे। करीब डेढ़ घंटे तक हाईवे पर प्रदर्शन चलता रहा। मौके पर पहुंचे एसपी मनोज ठाकुर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दुर्घटना मंत्री के काफिले से नहीं, बल्कि तेज रफ्तार ट्राले के संतुलन खोने से हुई है। ट्राले को जब्त कर लिया गया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पंजाब राज आजिविका मिशन योजना के तहत महिला सशक्तिकरण को बढावा देने के लिए जिला लीड बैंक अधिकारियों ने जागरूकता कार्यक्रम किया

दिव्य दिल्ली : पठानकोट (करुनीत रंधावा) :-

पंजाब राज आविजका देहाती मिशन के जिला प्रोग्राम प्रबंधक राजेश कुमार की देखरेख में जागरूकता कार्यक्रम करवाया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में जिला लीड बैंक के एलडीएम विनय मरवाहा, कौंसलर राकेश जम्वाल, मैडम नैनिका व बीपीएम मनजीत सिंह विशेष रूप से शामिल हुए। इस जागरूकता सैमिनार में पूरे जिले भर से बैंक सखियों सहित कई स्वयं सहायाता समूहों की पदाधिकारियों ने भाग लिया। जागरूकता सैमिनार में बताया गया कि सरकार की ओर से लोगों की भलाई के लिए कई लाभकारी योजनओं को शुरू किया गया है, जिसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं व आम लोगों को जागरूक करने के लिए तीस सितंबर तक जागरूकता कार्यक्रम किए जाएगें। इन कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना,प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना,अटल पैंशन योजना,प्रधानमंत्री जनधन खाता योजना व अन्य कई योजनओं के प्रति लोगों को जागरूक किया जाए ताकि लोगों को इन लाभकारी योजनाओं से अधिक से अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि इसके साथ स्व रोजगार के लिए स्वयं सहायता समूहों को दो लाख रूपए से ले कर छह लाख रूपए तक की वित्तिय सहायता दी जा रही है ताकि महिलाएं अपना स्व का रोजगार स्थापित करके, अपने परिवार की आय में बढौतरी करके, अपने जीवन स्तर को ऊंचा कर सके। इस अवसर पर डीपीएम राजेश कुमार, वीपीएम मनजीत सिंह, बैंक सखी अनुराधा, प्रवीण कुमारी करोली, छवि , शालू डडवाल, सुनीता, अनू, नैंसी, राजू बाला, अंजना, प्रोमिला, रंजना, वरिता शर्मा, ज्योति शमा, बलविंदर कौर , शीला देवी व अन्य उपस्थित थी।

क्षत्रिय राजपूत महासभा ने विरादरीकी समस्याओं को लेकर बैठक

दिव्य दिल्ली: पठानकोट (करुनीत रंधावा)

क्षत्रिय राजपूत महासभा जिला की बैठक प्रधान ठाकुर कृपाल सिंह पठानिया की अध्यक्षता में गांव घोह में हुई। बैठक में सभा के पदाधिकारीओ सहित सदस्यों ने हिस्सा लिया व बिरादरी को पेश आ रही समस्याओं के प्रति विचार विमर्श किया। प्रधान ठाकुर कृपाल पठानिया व सभा सदस्यों ने कहा कि क्षेत्र में लगातार वाहरी क्षेत्रो से आने बाले कुछेक लोग, धर्म के नाम पर धार्मिक स्थलों का निर्माण कर रहे है , जो पूरे क्षेत्र व जिला के लिए खतरे की घंटी है। उन्होंने कहा कि , कुछेक बाहरी राज्यों से आने वाले साधारण लोग महंगें दामों पर लोगों की भूमि को खरीद का कुछ ही दिनों में उक्त भूमि को समतल कर-के,वहां पर धार्मिक स्थान बना देते है, जिसके लिए जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी महासभा किसी भी धर्म या व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं है परन्तु देखने में आया है कि कई वाहरी लोग जो उच्च पदों पर असीन भी नहीं हैं और ना ही इनका कोई बड़ा कारोबार है,वह लगातार महंगें दामों पर भूमि को खरीद कर वहां पर केवल धार्मिक स्थान बनाने का कार्य कर रहे है,जो पूरे क्षेत्र के लिए एक खतरा भी बन सकता है। महासभा ने मांग की है कि, सरकार की गुप्त एजेंसी को पता लगाकर इनका पदार्फाश करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब कोई वाहरी साधारण व्यक्ति जमीन खरीदने में सबसे अधिक पैसे देकर उस जमीन को खरीद लेता है और कुछ दिनों के बाद उसी जगह पर धार्मिक समागम करवाना शुरू कर देता है । महासभा ने अपनी विरादरी के लोगों को अपील करते हुए कहा कि आप चंद रुपए के लालच में अपनी जमीनों को बाहरी गलत लोगों के पास न बेचे। इसके साथ ही महासभा ने युवाओं को अपील की है कि वह सदा ही नशों से दूर रह कर स्वस्थ समाज का निर्माण करने के लिए सहयोग दें।

जिला भाजपा नूरपुर की कार्यकारिणी घोषित की गई

दिव्य दिल्ली: नूरपुर (विनय महाजन)

नूरपुर प्रदेश भाजपा ने नूरपुर जिला भाजपा की कार्यकारिणी घोषित कर दी। जिला भाजपा कार्यालय में जिलाध्यक्ष राजेश काका की अध्यक्षता में नई कार्यकारिणी घोषित की गई। इस मौके पर महामंत्री विहारी लाल शर्मा व प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्षा वंदना योगी भी विशेष रूप से मौजूद रहीं। रूप लाल, रीटा ठाकुर, रवि कुमार, लेखराज शर्मा, सुनील राणा व आदर्श शर्मा को जिला भाजपा उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। कुलदीप डोगरा व राजेश्वर सिंह को जिला महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। पुनीत महाजन को कोषाध्यक्ष व पवन कुमार चौधरी को सह-कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। अनू बाला, नीतू कुमारी ,रजनी महाजन,अशोक ठाकुर,सुधीर चौधरी व जसविंद्र सिंह को जिला भाजपा सचिव नियुक्त किया गया। राजेश कौल को कार्यालय सचिव, संजीव पराशर को मीडिया प्रभारी, दीप मोहन राणा को सह- मीडिया प्रभारी, सभ्य लोहटिया को प्रवक्ता, साहिल पदडोत्रा को आई संयोजक, जय पठानिया को सह- आईटी संयोजक, अशोक कटोच को सोशल मीडिया संयोजक व रज्जू बाला को सह- सोशल मीडिया संयोजक नियुक्त किया गया। कुलदीप पाठक, बलवान सिंह, जितेंद्र पठानिया, मनोज कुमार, घनश्याम सम्बयाल, यशपाल चौधरी, संजीत कुमार, सतपाल चांगरा, अतुल सूदन, अश्वनी शर्मा, तरसेम शर्मा, रमेश कौशल, कमलेश शर्मा, तरसेम चौधरी, महंत कालीदास, ओमप्रकाश पठानिया, केवल सिंह, शीला देवी, पिंकी शर्मा, सरोज ठाकुर, प्रोमिला शर्मा, अवतार सिंह, तरसेम राणा, करतार पठानिया, रानी पठानिया, सरोज बाला, सुमन बाला, विनित पराशर, अशोक डोगरा, भुवनेश्वर शर्मा, पूजा डोगरा, कमलेश शर्मा, रविन्द्र कुमार शर्मा, सुरजीत कौर, वीना राणा, प्रोमिला देवी, ललिता देवी, वरिन्द्र राणा, सीमा कुमारी व सुशील चौधरी को जिला भाजपा कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया है। इस मौके पर विधायक रणवीर सिंह निक्का, रीता धीमान पूर्व विधायक इंदौरा, संजय गुलेरीया पूर्व प्रत्याशी ज्वाली, पूर्व जिलाध्यक्ष श्री रमेश राणा जी व सभी विधानसभाओं के कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

हिमाचल प्रदेश विद्युत बोर्ड पेंशनर फार्म नूरपुर 7 अगस्त को शिमला चलो आंदोलन की तैयारी में जुटे

दिव्य दिल्ली: नूरपुर से विनय महाजन

नूरपुर हिमाचल प्रदेश विद्युत बोर्ड पेंशनर फोरम नूरपुर , कोटला इकाईयो की एक संयुक्त मासिक बैठक विद्युत विश्राम गृह बोढ जसूर के परिसर में फोरम प्रधान इंजीनियर मानसिंह ,और कोटला फोरम प्रधान कुलदीप सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत,ज्वाइंट एक्शन कमेटी के पदाधिकारियों राज्य संयोजक इंजीनियर लोकेश ठाकुर व सहसंयोजक श्री हीरा लाल वर्मा को प्रबंधक वर्ग द्वारा मेजर पेनल्टी के तहत चार्जशीट करने साथ में तबादला आदेश जारी करने की करवाई की कड़े शब्दों में निंदा की गई। और यह मांग बोर्ड प्रबंधक से एक सुर में की की चार्जशीट को तुरंत प्रभाव से निरस्त किया जाए।तथा बोर्ड प्रबंधन वर्ग द्वारा बोर्ड मुख्यालय,तथा प्रदेश के सभी विद्युत कार्यालयों के समक्ष धरना प्रदर्शन करने पर पाबंदी लगा कर तथा कर्मचारियों के मौलिक अधिकारों का हनन करके अपना तुगलकी फरमान जारी किया है इसका विरोध करते हुए आदेश को भी तुरंत रद्द किया जाए। और प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री बा बोर्ड प्रबंधक से यह मांग करते हैं कि जॉइंट एक्शन कमेटी के पदाधिकारियों को सात अगस्त 2025 से पहले वार्ता के लिए बुलाया जाए अन्यथा 07 अगस्त 2025 को शिमला चलो ज्वाइंट फ्रंट रैली को कामयाब बनाने के लिए कोटला , नूरपुर इकाईयो से ज्यादा से ज्यादा पेंशनर्स इसमें भाग लेने जायेंगे।

राजकीय महाविद्यालय ज्वाली में रोड सेफ्टी पर इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित

दिव्य दिल्ली: जवाली (ऊषा जरियाल)

राजकीय महाविद्यालय ज्वाली के रोड सेफ्टी क्लब द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए गतिविधियों की शुरूआत इंडक्शन प्रोग्राम के आयोजन के साथ की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य नए स्वयंसेवकों को सड़क सुरक्षा के महत्व से परिचित करवाना था।

भीख मांगने वाले बच्चों के खिलाफ अभियान, डीसीपीओ ने झुग्गी-झोपड़ियों में दी चेतावनी, कहा- बच्चों को भेजें स्कूल

दिव्य दिल्ली: पठानकोट (करुनीत रंधावा):-

जिले में भीख मांगने वाले बच्चों की बढ़ती संख्या पर लगाम लगाने के लिए प्रशासन ने एक सख्त अभियान छेड़ दिया है। इसी कड़ी में आज जिला बाल सुरक्षा अधिकारी (डीसीपीओ) रेणु के नेतृत्व में एक टीम ने झाकोलाहड़ी में झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले परिवारों के बीच छापा मारा। इस दौरान भीख मांगने वाले बच्चों को चेतावनी दी गई और उनके माता-पिता को सख्ती से समझाया गया कि वे अपने बच्चों को भीख मांगने के बजाय स्कूल भेजें। डीसीपीओ रेणु ने परिवारों को बताया कि भीख मांगना न केवल बच्चों के भविष्य को खतरे में डालता है, बल्कि यह एक कानूनी अपराध भी है। उन्होंने माता-पिता को शिक्षा का महत्व समझाते हुए कहा कि बच्चों को स्कूल भेजना ही उन्हें गरीबी के दलदल से बाहर निकालने का एकमात्र रास्ता है। टीम ने उन्हें यह भी आश्वासन दिया कि अगर बच्चों को स्कूल भेजने में कोई दिक्कत आती है तो प्रशासन उनकी हर संभव मदद करेगा। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों को एक सुरक्षित और बेहतर भविष्य देना है। प्रशासन चाहता है कि ये बच्चे भीख मांगने के बजाय स्कूल जाकर पढ़ें और एक सम्मानजनक जीवन जी सकें। इस मौके पर डीसीपीओ के साथ बाल सुरक्षा टीम की सदस्य सोनिका, अल्का और नीरज भी मौजूद थीं। इसके अलावा, पुलिस विभाग से एएसआई लखविंदर सिंह और एएसआई रूपेश कुमार ने भी इस अभियान में सहयोग दिया।

जिला पुलिस नूरपुर ने अंतरराष्ट्रीय नशा तस्कर गिरोह पर कसा शिकंजा, 4.78 करोड़ की संपत्ति जब्त

लॉटरी तो राजीव बिंदल की निकली है क्योंकि भाजपा की आपसी तकरार के चलते राजीव बिंदल को दोबारा प्रदेश अध्यक्ष का पद मिला

दिव्य दिल्ली: नूरपुर (विनय महाजन)

जिला नूरपुर पुलिस ने युवा आईपीएस अधिकारी एसपी अशोक रत्न के नेतृत्व में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। डमटाल थाना क्षेत्र में 27 अक्टूबर 2024 को की गई कार्रवाई के तहत अंतरराष्ट्रीय नशा तस्कर गिरोह के छह आरोपियों की कुल 4.78 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई है, जिससे नशा माफिया में भारी हड़कंप मच गया है।एसपी अशोक रत्न ने जानकारी देते हुए बताया कि पंजाब निवासी कंवलजीत सिंह से 262 ग्राम हेरोइन/चिट्टा बरामद किया गया था, जिसके बाद मामले की तहकीकात में अन्य आरोपियों की संलिप्तता सामने आई। 8 अप्रैल 2025 को अमृतसर निवासी राजेश कुमार को धर्मशाला से गिरफ्तार किया गया, जिसने पूछताछ में खुलासा किया कि यह पूरा नेटवर्क दुबई से संचालित हो रहा है।इसके बाद पुलिस ने 13 अप्रैल को भदरोया निवासी राज कुमार उर्फ सेठी और 15 अप्रैल को लखविंद्र कोहली को भी गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान लखविंद्र कोहली की निशानदेही पर पठानकोट निवासी मोहित सिंह टोनी के घर छापामारी कर 4.90 लाख नकद, सोने-चांदी के गहने, दो मोबाइल फोन और दो इंश्योरेंस बांड बरामद किए गए।जांच को आगे बढ़ाते हुए 16 अप्रैल को आरोपी गगन सरना के घर पठानकोट में छापेमारी कर पुलिस ने 1 किलो 25 ग्राम सोना, 4 ग्राम चांदी और 1.15 करोड़ रुपये की नकदी बरामद की। एसपी रत्न ने बताया कि यह कार्रवाई मादक पदार्थों से अर्जित संपत्ति को जब्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और जिला पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ ऐसे ही कठोर कदम उठाती रहेगी।

अमित आनंद द्वारा संकलित फिल्म डैला बैला बदलेगी कहानी, दूरदर्शन के ओटीटी प्लेटफॉर्म "वेव्स" पर हुई रिलीज

दिव्य दिल्ली: राजू बोहरा

दूरदर्शन के लोकप्रिय ओटीटी प्लेटफॉर्म "वेव्स" पर 18 जुलाई को मनोरंजन से भरपूर नई फिल्म डैला बैला रिलीज की गई, जिसे दर्शकों से सराहना मिल रही है। इस फिल्म का निर्देशन और पटकथा लेखन नीलेश के. जैन ने किया है, जबकि फिल्म के मुख्य संपादक अमित आनंद हैं, जो अब तक कई चर्चित फिल्मों के एडिटर रह चुके हैं। डैला बैला एक ऐसी दिलचस्प फिल्म है जो भावनाओं, रिश्तों और जीवन के अनपेक्षित मोड़ों से भरी हुई है। यह फिल्म सिर्फ मनोरंजन नहीं बल्कि एक संवेदनशील अनुभव भी है, जो दर्शकों के दिलों को छू जाती है।

पंजाब विस की सरकारी आश्वासन सबंधी कमेटी ने बांध परियोजना पर अपनी बैठक की

दिव्य दिल्ली पठानकोट (करुनीत रंधावा)

पंजाब सरकार की सरकारी आश्वासन कमेटी आज शाम को रणजीत सागर बांध परियोजना पर पहुंची, जो यहां पर रात को रूक कर 11 अगस्त तक जम्मू कश्मीर के अलग अलग भागों में जा कर वहां का अध्यन करेगी। मिली जानकारी अनुसार, विस की सरकारी आश्वासन सबंधी कमेटी के चेयरमैन सरदार देवेंद्र सिंह लाडी है तथा उनके साथ इस कमेटी के डाक्टर अमनदीप कौर अरोडा विधायक, विधायक अमृतपाल सिंह सुखनंद , विधायक अमित रतन कोटफतिया, विधायक अवतार सिंह जूनियर, विधायक दलवीर सिंह टौंग, विधायक गुरिंद्र सिंह गैरी , विधायक जंगी लाल महाजन, विधायक जसवीर सिंह संधू, विधायक कुलदीप सिंह ढिल्लों, विधायक लखवीर सिंह राय, विधायक नरेश कटारियां, व विधायक रणवीर सिंह शामिल है। यह विस की आश्वासन कमेटी पांच अगस्त को श्रीनगर के पहलगाम, सोनमर्ग,गुलमर्ग व अन्य स्थानों पर जा कर वहां का निरिक्षण करेगी तथा विस में अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। इस अवसर पर एसडीएम धार कलां मेजर डा. सुमित मुध, तहसीलदार धार कलां मुनीष कुमार, एसई महेश सिंह, एसई जसवीर पाल सिंह, एक्सीयन लखविंद्र सिंह, एसडीओ मैसी जोन व अन्य कई अधिकारी उपस्थित थे।

नाबालिक से दुष्कर्म तथा जान से मार देने की धमकी देने पर आरोपी गिरफ्तार

दिव्य दिल्ली: पठानकोट (करुनीत रंधावा)

थाना डमटाल के अंतर्गत एक नाबालिक लड़की की माता ने थाना डमटाल में रिपोर्ट दर्ज करवाई के उसकी लड़की के साथ एक लड़का उसे पिछले साल जुलाई महीने में बहलाकर कहीं ले गया यहां उसने उसके साथ दुष्कर्म किया तथा उसके बाद भी उसने लगातार उसे परेशान करने लगा तथा धमकी देने लगा कि यदि तूने किसी को बताया तो मैं तेरे को जान से मार दूंगा ।लड़की काफी दिनों से सहमी हुई थी ।जिसके चलते उसकी माता ने उसे इसके बारे में पूछा तब लड़की ने सारी बात अपनी मां को बता दी। जांच करने पर थाना डमटाल की पुलिस द्वारा आरोपी को पकड़ कर आरोपी पर पॉस्को अधिनियम (6) बीएनएस की धारा 65(1) 351(2)(3) के तहत मामला दर्ज करके आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है तथा आरोपी का मेडिकल करवा कर पुलिस द्वारा उसे माननीय अदालत इंदौरा में पेश किया गया यहां पुलिस तीन दिन के पुलिस रिमांड मिलने पर आज आरोपी को अदालत द्वारा न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है । इसकी पुष्टि डीएसपी इंदौरा संजीव यादव ने करते हुए बताया के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा मामला डमटाल थाने में दर्ज कर दिया गया है आगामी कार्रवाई पुलिस द्वारा अमल में लाई जा रही है।

भाजपा की सोलन की जिलाकार्यकारिणी घोषित

दिव्य दिल्ली: सोलन

सोलन के भाजपा कार्यालय दीप कमलम में भाजपा की विशेष बैठक का आयोजन किया गया जिसमें भाजपा सोलंकी कार्यकारिणी की घोषणा की भाजपा प्रदेश सचिव सुमित शर्मा ने घोषणा करते हुए बताया कि नई कार्यकारिणी आगामी समय में भाजपा की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाएगी एवं भाजपा को मजबूती प्रदान करेगी।

श्रावण मास में काठगढ़ के प्राचीन शिव मंदिर में रुद्रचंडी महायज्ञ की धूम

दिव्य दिल्ली: काठगढ़

प्राचीन शिव मंदिर सुधार सभा काठगढ़ (इंदौरा) द्वारा श्रावण मास महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है इसी कड़ी में शनि बार 2 अगस्त से रुद्रचंडी महायज्ञ आचार्य निगम शर्मा जी की देखरेख में 15 विद्वान पंडितों द्वारा मंदिर परिसर के हवन कुंड में पूरी विधि विधान से करवाया जा रहा है,इसमें दुर्गा सप्तशती का 100 पाठ, 121 रुद्राभिषेक, वो पाठ तथा गायत्री यप 7 दिन चलेगा व आठ अगस्त को इसकी पूणाहूँति डाली जाएगी,इसमें मुख्य यजमान सभा के प्रधान ओम प्रकाश कटोच, वरिष्ठ उपप्रधान अजीत सिंह, उप प्रधान युद्धवीर सिंह, महासचिव सुभाष शर्मा, कार्यालय सचिव जोगिंदर भारद्वाज, सचिव गणेश दत्त शर्मा, प्रेस सचिव सुरिंदर शर्मा, सहायक पवन शर्मा, संगठन मंत्री रमेश पठानिया, प्रचार सचिव प्रेम सिंह, सतीश मन्हास, सदस्य अशोक पठानिया, अनमोल शर्मा रहे। इसके साथ श्रावण मास के सोमवार को सुबह 5 बजे से ही श्रद्धालु भक्तो का तांता लगा रहा लंबी लंबी कतारों में लगकर हजारों की संख्या में शिव भक्तों ने प्राचीन एवं ऐतिहासिक स्वयं भू प्रकट शिव लिंग के आगे शीश नवाजा और दर्शन पाए।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397